

//-- सुविचार --//		
यथार्थवादी होना, सामान्यता की ओर ले जाने वाला सबसे आम रास्ता है।		
सूर्योदय/सूर्यास्त		
उदय : 05:33 प्रातः		
अस्त : 06:00 संध्या		
प्रदेश का तापमान		
स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.0	23.0
जमशेदपुर	35.0	26.0
हजारीबाग	33.0	25.0
डालतनगंज	34.0	25.0

संक्षिप्त खबरें

जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा गड़बड़ी मामले में पटना से राजन कुमार गिरफ्तार

रांची। जेएसएससी-सीजीएल प्रतियोगिता परीक्षा गड़बड़ी मामले में जांच कर रही अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) की एसआईटी ने सोमवार को एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। टीम ने पटना निवासी राजन कुमार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने जेएसएससी - सीजीएल के कई अभ्यर्थियों को पश्चिम बंगाल के नियामतपुर के एक होटल में ले जाकर परीक्षा के प्रश्नों एवं उत्तरों को रटवाया गया था। इस प्रक्रिया के माध्यम से कई अभ्यर्थियों को परीक्षा में अनुचित लाभ पहुंचाया गया तथा उनमें कुछ अभ्यर्थी परीक्षा में सफल भी हुए। राजन पर मामले में बिचौलिये की भूमिका निभाने का आरोप है। मामले में पहले से गिरफ्तार आरोपियों और कुछ अभ्यर्थियों से पूछताछ के दौरान राजन कुमार का नाम सामने आया था। पूछताछ में मिली जानकारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सीआईडी ने उसकी भूमिका की जांच शुरू की थी। जांच के दौरान राजन कुमार के मामले से जुड़े होने के सुगम मिलने के बाद एसआईटी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद सीआईडी की टीम उससे पूछताछ कर रही है। पूछताछ में परीक्षा विवाद से जुड़े अन्य लोगों और पूरे नेटवर्क के बारे में जानकारी मिलने की उम्मीद है। यह मामला सीआईडी थाना कांड संख्या 01/2025 से जुड़ा है।

असम की नगांव लोकसभा सीट पर उपचुनाव 6 अक्टूबर को

नगांव (असम)। असम की नगांव लोकसभा सीट पर उपचुनाव के कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। चुनाव आयोग द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार 6 अक्टूबर को मतदान होगा, जबकि 9 अक्टूबर को मतगणना होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 16 सितंबर निर्धारित की गई है। उम्मीदवार 19 सितंबर तक अपना नामांकन वापस ले सकेगे। असम की नगांव लोकसभा सीट प्रद्युत बोर्देलीओई के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। उपचुनाव की तारीख घोषित होने के साथ ही नगांव लोकसभा क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज होने की उम्मीद है।

वित्त रहित शिक्षाकर्मियों का आंदोलन

बच्चों का भविष्य संवार रहे, अपना भविष्य अब भी अनिश्चित

158 स्कूलों के अनुदान की निरंतरता का सवाल, जैक की रिकियों पर भी सरकार से फैसले की मांग

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। सुबह स्कूल पहुंचते ही वे बच्चों को मेहनत करने, आगे बढ़ने और बेहतर भविष्य बनाने की सीख देते हैं। कोई डॉक्टर बनने का सपना देख रहा है, कोई इंजीनियर, कोई शिक्षक तो कोई अधिकारी बनने का। शिक्षक उन्हें भरोसा दिलाते हैं कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। लेकिन स्कूल की छुट्टी के बाद जब यही शिक्षक अपने घर लौटते हैं तो उनके सामने एक कड़वा सवाल खड़ा हो जाता है—बच्चों का भविष्य



संवारेने वाले शिक्षक का अपना भविष्य आखिर कब संवरेगा? झारखंड के वित्त रहित और अनुदानित शैक्षणिक संस्थानों में वर्षों से सेवा दे रहे शिक्षक-कर्मचारी आज भी अनुदान, सेवा शर्त और सरकारी फैसलों की प्रतीक्षा में हैं। उनका कहना है कि लंबे समय तक काम करने के बावजूद आय की स्थिरता, सेवा सुरक्षा और भविष्य की स्पष्ट व्यवस्था नहीं बन सकी है। महंगाई बढ़ रही है, बच्चों की पढ़ाई और

इलाज का खर्च बढ़ रहा है, लेकिन शिक्षक का अपना आर्थिक भविष्य अब भी अनिश्चित बना हुआ है। इसी असुरक्षा के खिलाफ वित्त रहित शिक्षक-कर्मचारी मोर्चा ने सरकार के सामने मांगों का विस्तृत एजेंडा रखा है। मोर्चा 75 प्रतिशत अनुदान वृद्धि, राज्यकर्मी का दर्जा, स्पष्ट सेवा शर्त नियमावली, 158 स्थापना अनुमति प्राप्त विद्यालयों के अनुदान की निरंतरता, जैक में रिक्त पदों पर नियुक्ति और छात्राओं को सरकारी

योजनाओं का लाभ देने जैसे मुद्दों पर सरकार से निर्णय की मांग कर रहा है। **75 प्रतिशत बढ़ोतरी की फाइल पर सवाल** शिक्षकों की सबसे प्रमुख मांग अनुदान में 75 प्रतिशत वृद्धि की है। मोर्चे के अनुसार इस संबंध में फाइल कई माह से लंबित है। सवाल उठ रहा है कि जब सरकार के स्तर पर मांग और प्रस्ताव सामने है तो निर्णय में इतनी देरी क्यों हो रही है? अनुदान केवल एक वित्तीय प्रावधान नहीं, बल्कि हजारों शिक्षक-कर्मचारियों के परिवारों की रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ा मुद्दा है। **सेवा शर्त के बिना वर्षों की सेवा कैसी सुरक्षा?** इंटर कॉलेज, उच्च विद्यालय, संस्कृत विद्यालय और मदरसा

विद्यालयों में काम कर रहे शिक्षक-कर्मचारी स्पष्ट सेवा शर्त नियमावली की मांग कर रहे हैं। नियुक्ति, वेतन, सेवा सुरक्षा, पदोन्नति और भविष्य से जुड़े नियमों में स्पष्टता नहीं होने से असुरक्षा बनी हुई है। शिक्षकों का सवाल है कि वर्षों की सेवा के बाद भी यदि भविष्य की गारंटी नहीं है तो सेवा की स्थिरता का अर्थ क्या है? **मामला केवल शिक्षकों का नहीं** वित्त रहित और अनुदानित संस्थान झारखंड की शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे संस्थानों की आर्थिक स्थिति का सीधा असर शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भी पड़ सकता है। इसलिए यह मामला केवल कर्मचारी हित का नहीं, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता और निरंतरता का भी है। अनुदान व्यवस्था

में विद्यालय की श्रेणी, छात्र संख्या और परीक्षा परिणाम जैसे मानक महत्वपूर्ण हैं। माध्यमिक विद्यालय, इंटर कॉलेज, मदरसा और संस्कृत विद्यालयों के लिए अलग-अलग प्रावधान और स्लैब हैं। ऐसे में शिक्षकों की मांग है कि व्यवस्था को पारदर्शी बनाते हुए पर्चाप आर्थिक सहयोग और सेवा सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। **अब आश्वासन नहीं, फैसला चाहिए** शिक्षक रोज बच्चों से कहते हैं—मेहनत करो, तुम्हारा भविष्य जरूर बदलेगा। लेकिन आज यही शिक्षक सरकार से पूछ रहे हैं—हम वर्षों से बच्चों का भविष्य बना रहे हैं, हमारे भविष्य का फैसला कब होगा? सरकार के सामने अब चुनौती सिर्फ अनुदान बढ़ाने की नहीं, बल्कि उन हाथों को सम्मान और सुरक्षा देने की

है, जो झारखंड के हजारों बच्चों का भविष्य गढ़ रहे हैं। फाइलें लंबित रह सकती हैं, लेकिन शिक्षकों की जिंदगी इंतजार में नहीं रुकती। **158 स्कूलों के अनुदान पर भी नजर** मोर्चा ने एकीकृत बिहार के समय से स्थापना अनुमति प्राप्त 158 उच्च विद्यालयों का अनुदान जारी रखने की मांग की है। संगठन का कहना है कि 2026-27 से इन विद्यालयों का अनुदान रकने की स्थिति बन रही है। प्रस्वीकृतित की प्रक्रिया पूरी करने के लिए तीन वर्ष का समय देने की मांग भी की गई है। जैक में उपाध्यक्ष और सदस्यों के रिक्त पदों को तत्काल भरने की मांग भी उठाई गई है। मोर्चा ने कुछ नियुक्तियों में निर्धारित अर्हता पूरी नहीं होने के आरोपों की जांच की मांग की है।

'दर्द जब शब्दों में कोई पिरो नहीं पाता, तो वह आंखों से बह निकलता है'

मुख्यमंत्री हेमंत की संवेदनशीलता के विरोधी भी कायल

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। 'दर्द जब शब्दों में कोई पिरो नहीं पाता, तो वह आंखों से बह निकलता है।' ये केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति के उस क्षण की गवाही है, जब सत्ता का कटु अनुशासन मानवीय संवेदनाओं के आगे नतमस्तक हो गया।

सीएम हेमंत सोरेन की गिनती एक कठोर, निर्णय लेने वाले और रणनीतिक राजनेता के रूप में होती

है, लेकिन जब जीवन का कोई ऐसा मोड़ आता है, जहां एक राज्य का मुखिया होने से पहले एक भाई, बेटा, जनसेवक और एक संवेदनशील इंसान का हृदय सामने आता है, तो राजनीति की दीवारें ढह जाती हैं।

अपने आंसुओं को रोक न सके हेमंत सोरेन

ऐसा ही एक भावुक दृश्य तब देखने को मिला, जब राज्य के एक बड़े संकट और व्यक्तिगत आघात के बीच हेमंत सोरेन अपने आंसुओं को रोक न सके। दरअसल, सीएम हेमंत सोरेन रविवार को मंत्री सुदिव्य कुमार को निधन के बाद उनके

अंतिम संस्कार में पहुंचे थे। सुदिव्य कुमार की पत्नी के आंसुओं को देखकर वो खुद को संभाल नहीं पाए और कुछ क्षण के लिए भावुक हो गए।

दर्द बयां करने के लिए कोई शब्द नहीं मिला, छलके आंसू

गिरिडीह पहुंचे हेमंत सोरेन के लिए एक तरफ जनता की उम्मीदों का भारी बोझ था, तो दूसरी तरफ अपनों से दूर होने या जनता के संघर्ष का वह मर्म, जिसे बयां करने के लिए शब्द छूटते पड़ गए थे। उस पल जब उन्होंने अपनी भाभी (सुदिव्य भैया की पत्नी) के दर्द को

साझा करने की कोशिश की, तो उनके पास कोई शब्द नहीं था। उनका गला भर आया। आंखों से छलकते पर आंसू ने उस दर्द को बयां कर दिया, जिसे कोई भाषण या घोषणापत्र कभी नहीं दर्शा सकता।

हेमंत की निश्छल भावुकता के देखकर विरोधी भी निशब्द

ये भावुक दृश्य इतना प्रभावशाली था कि राजनीतिक मतभेदों को दरकिनार कर विरोधी भी हतप्रभ रह गए। जो लोग कल तक उनके पर कदम की आलोचना करते थे, वो भी इस निश्छल भावुकता के देखकर निशब्द हो गए। राजनीति में अक्सर

कड़ापन और आक्रमकता ही देखी जाती है, ऐसे में एक राजनेता का इस तरह अपनी भावनाओं को सार्वजनिक रूप से प्रकट करना उनकी कमजोरी नहीं, बल्कि उसके सच्चे और संवेदनशील होने का प्रमाण बन गया।

माटी का दर्द और निष्ठुर राजनीति

सीएम हेमंत सोरेन के विरोधियों ने भी माना कि जो नेता अपनी जनता और अपनी माटी के दर्द से कदर जुड़ सकता है, उसकी संवेदनशीलता पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। हेमंत सोरेन की उन छलकी आंखों ने ये साबित कर दिया कि राजनीति चाहे



कितनी भी निष्ठुर क्यों न हो, एक सच्चा जननायक वही है, जिसका

हृदय अपनी जनता के सुख-दुख में समान रूप से स्पंदित होता है।

डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को फौरन हिरासत में लिया जाए : सुप्रीम कोर्ट

ऐसे लोगों को खुल्ला न घूमने दें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि डॉक्टरों से मारपीट करने वाले नेताओं को फौरन हिरासत में लिया जाए। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों के सदस्यों द्वारा डॉक्टरों पर हमले की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताते हुए यह बात कही। अदालत ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि ऐसे नेताओं को तुरंत हिरासत में लिया जाए।

कोर्ट ने कहा कि डॉक्टरों से मारपीट में शामिल लोगों को हिरासत में लिया जाना चाहिए और उन्हें खुलेआम घूमने नहीं दिया जाना चाहिए। यह टिप्पणी कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हमले के मामले में जमानत की शर्तों को चुनौती देने वाली शिवसेना पार्षद रमेश म्हात्रे की याचिका पर सुनवाई के दौरान की गई। उनके वकील मुकुल रोहतगी ने याचिका वापस ले ली।

महाराष्ट्र का वो मामला जिस पर सुप्रीम कोर्ट हुआ सकल

महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि उसने म्हात्रे की जमानत रद्द करने की मांग



की है। कोर्ट ने नोटिस जारी किया और मामले को 28 सितंबर के लिए सूचीबद्ध किया। यह घटना रविवार तड़के हुई, जब दही हांडी उत्सव के दौरान घावल हुए एक व्यक्ति को छुड़ी देने को लेकर रिलीफ अस्पताल के गलियारों में हंगामा हो गया। पालघर पुलिस ने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के सदस्यों सहित कम से कम 17 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। **अस्पताल में रिसेफ्निरस्ट को धम्पड मारा, कर्मचारी को धमकाया** सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, जब

विधायक पुत्र से छात्रों ने की मारपीट

रांची। शहर के धुर्वा थाना क्षेत्र में एमिटी यूनिवर्सिटी के मेन गेट के बाहर सोमवार को शराब के नशे में छात्रों के दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हो गई। इस विवाद के दौरान लोपा विधायक जनार्दन पासवान के पुत्र सौरभ पासवान भी मौके पर मौजूद थे। घटना के बाद विधायक की ओर से पुत्र के अपहरण की सूचना पुलिस को दिए जाने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नये विधानसभा के पास से विधायक पुत्र को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के मुताबिक विधायक पुत्र ने भी शराब पी रखी थी। रांची सिटी एसपी पारस राणा ने प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया कि एमिटी यूनिवर्सिटी के कुछ छात्र मेन गेट के बाहर शराब पी रहे थे। इसी दौरान छात्रों के दूसरे गुट से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही

देखते कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया। दोनों गुटों के बीच जमकर हाथापाई हुई। बताया जा रहा है कि इस दौरान सौरभ पासवान के साथ भी मारपीट की गई। सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि लोपा विधायक जनार्दन पासवान ने फोन कर अपने पुत्र के अपहरण की सूचना दी थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से पूछताछ की और घटनाक्रम की जानकारी जुटाई। सिटी एसपी ने बताया कि शुरूआती जांच में सामने आया है कि छात्रों के दूसरे गुट के युवक सौरभ पासवान को अपनी गाड़ी में बैठाकर ले गए थे। बाद में उन्हें नई विधानसभा के पास रास्ते में उतार दिया गया। पुलिस ने सौरभ पासवान को रिकवर कर थाने पहुंचाया। सिटी एसपी पारस राणा ने कहा कि

रिसेफ्निरस्ट और एक महिला कर्मचारी ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो आरोपियों में से एक ने कथित तौर पर रिसेफ्निरस्ट को थपड़ मारा और महिला कर्मचारी को धमकाया। अस्पताल के एक कर्मचारी की शिकायत में कहा गया है कि शिवसेना के जिला प्रमुख कुंदन सांघे, शहर प्रमुख राहुल घरत और अन्य लोगों ने अस्पताल के इमरजेंसी डिपार्टमेंट में घुसकर घायल व्यक्ति को डिस्चार्ज करने को लेकर डॉक्टरों से बहस की।

मेडिकल प्रोफेशनल्स पर हमले को हल्के में न लें

शिकायत में कहा गया है कि विवाद बढ़ गया और सीसीटीवी फुटेज में बीच-बचाव करने की कोशिश कर रहे रिसेफ्निरस्ट को थपड़ मारते हुए देखा गया। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कल्याण के शास्त्रीनगर अस्पताल में डॉक्टरों पर हुए हमले को लेकर शिवसेना पार्षद रमेश सुक्रिया म्हात्रे से सवाल किया और कहा कि अस्पतालों के अंदर मेडिकल प्रोफेशनल्स पर होने वाले हमलों को हल्के में नहीं लिया जा सकता।

भारत गैस एजेंसी से ढाई लाख नगद सहित कई सामान घटे डाई चोर

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के भाई बिगहा स्थित भारत गैस एजेंसी कार्यालय में रविवार की रात पीछे के रास्ते प्रथम तल्ले पर चोरी की गई। चोर ने कार्यालय का बिजली मीटर और सीसीटीवी कैमरा भी तोड़ दिया है। कार्यालय में एजेंसी के मैनेजर नेहा कुमारी का दराज तोड़ कर उसमें तीन दिनों की बिक्री का कुल 02 लाख 59 हजार 478 के अलावा नेहा का एक सोने का लोकेट, चांदी की पायल और सोने की एक अंगूठी चोरी कर ली। घटना की जानकारी सोमवार को एजेंसी कार्यालय खोलने के दौरान हुई। इस संबंध में थाना प्रभारी तंजीलुल मन्नान ने सोमवार को बताया कि मामले की छानबीन में पुलिस जुट गई है। सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। अन्य बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा हो जाएगा।

संक्षिप्त

रांची में बाइक चोरी गिरोह का भंडाफोड़, सात आरोपित गिरफ्तार, चोरी की चार बाइक बरामद

रांची। रांची के लोअर बाजार थाना पुलिस ने सदर अस्पताल के आसपास बाइक चोरी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की चार बाइक बरामद की है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान गुमला निवासी इरफान अंसारी, बेड़ो निवासी मो. कैश आलम, मोसिन राय, इमरान आलम उर्फ भाली, मो. जफरुल्ला, शाहिद राय तथा गुमला जिले के सिसई निवासी सैफ अंसारी उर्फ राज के रूप में हुई है। नगर पुलिस उपाधीक्षक (सिटी डीएसपी) केवी रमण ने सोमवार को बताया कि सदर अस्पताल के आसपास लगातार बाइक चोरी की घटनाएं हो रही थी। इसे देखते हुए वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर अस्पताल के आसपास तैनात टाइगर मोबाइल, पीसीआर और माइक टीम को विशेष निगरानी का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में पुलिस को सदर अस्पताल परिसर में एक सक्षिप्त व्यक्ति के बाइक चोरी की फ़िराक में घूमने की सूचना मिली। पुलिस ने सूचना का सत्यापन करते हुए सक्षिप्त को अस्पताल परिसर से पकड़ा। उसकी निशानदेही और कथित स्वीकारोक्ति के आधार पर चार चोरी की बाइक बरामद की गईं। छापेमारी टीम में थाना प्रभारी लव कुमार सिंह, संतोष कुमार रजक, देवानंद कुमार यादव, दीपक किशोर तिवारी, सुधीर बाड़ा, रंजीत कुमार, अजय कुमार सिंह समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

जगन्नाथपुर मंदिर कमेटी विवाद

हाई कोर्ट ने मांगी जमीन और अतिक्रमण की जानकारी, 16 को अगली सुनवाई

रांची। रांची के ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर के संचालन और प्रबंधन को लेकर चल रहे विवाद पर सोमवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत में हुई सुनवाई के दौरान मंदिर के संचालन एवं प्रबंधन के लिए प्रस्तावित योजना (स्क्रीम) के अध्ययन के लिए गठित 11 सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत नहीं की। समिति ने अदालत से यह स्पष्ट करने का आग्रह किया कि उसका स्वरूप क्या होगा और उसे किन-किन कार्यों की जिम्मेदारी दी जाएगी। सुनवाई के दौरान जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति की ओर से मामले के मेिट पर सुनवाई किए जाने का आग्रह किया गया। वहीं, प्राथियों की ओर से मंदिर की जमीन पर कथित अतिक्रमण का मुद्दा भी अदालत के समक्ष उठाया गया। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति आनंद सेन ने मंदिर के पास कुल कितनी जमीन है और उसमें से किसी हिस्से पर अतिक्रमण है या नहीं, इसकी जानकारी मांगी। अदालत ने इस संबंध में स्थिति स्पष्ट करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई अब 16 सितंबर को होगी। झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड की ओर से अधिवक्ता भरत कुमार ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान मंदिर के संचालन और प्रबंधन के लिए प्रस्तावित व्यवस्था तथा उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा हुई। उल्लेखनीय है कि पिछली सुनवाई में उच्च न्यायालय ने महाविक्ता शक्ति राय की अध्यक्षता में 11 सदस्यीय समिति का गठन किया था। समिति को जगन्नाथपुर मंदिर के संचालन एवं प्रबंधन से संबंधित स्क्रीम का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट अदालत को सौंपनी थी। सोमवार की सुनवाई में समिति की ओर से रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की जा सकी इससे पहले अदालत ने झारखंड हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड को झारखंड हिंदू धार्मिक ट्रस्ट बोर्ड एक्ट की धारा 32 के तहत जगन्नाथपुर मंदिर के संचालन एवं प्रबंधन को लेकर एक स्क्रीम प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। इसके अनुपालन में बोर्ड ने मंदिर के संचालन और प्रबंधन से संबंधित स्क्रीम अदालत के समक्ष प्रस्तुत की थी।

चैंबर चुनाव. पी-21 टीम के सदस्यों ने व्यवसायियों से मुलाकात की

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। चैंबर चुनाव को लेकर पी-21 टीम ने सोमवार को शहर के विभिन्न बाजार क्षेत्रों में पदयात्रा कर व्यवसायियों एवं कारोबारियों से मुलाकात की और टीम के पक्ष में समर्थन की अपील की। टीम के सदस्यों ने सर्जना चौक, एसएन गांगुली रोड, सेवा सदन रोड समेत अन्य इलाकों में व्यवसायियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए मिलकर काम करने का भरोसा दिलाया। पदयात्रा के दौरान पी-21 टीम के सदस्यों ने व्यवसायियों से मुलाकात कर उनकी राय जानी और चुनाव में समर्थन की अपील की।

पूम आनंद ने कहा कि महिला उद्यमियों और कारोबारियों की भागीदारी को चैंबर में और मजबूत करने की जरूरत है। छोट-बड़े सभी व्यवसायियों को समान अवसर और सम्मान मिले, यही टीम की प्राथमिकता है। चैंबर को केवल चुनाव तक सीमित न रखकर पूरे कार्यकाल में व्यवसायियों के बीच सक्रिय रहने की जरूरत है।

मनोज कुमार मिश्रा ने कहा कि पी-21 टीम व्यवसायियों के बीच जाकर उनका समर्थन और आशीर्वाद मांग रही है। टीम का उद्देश्य व्यक्तिगत हित नहीं, बल्कि व्यापारिक समुदाय की सामूहिक समस्याओं को मजबूती से उठाना है। व्यवसायियों के विश्वास को जिम्मेदारी में बदलते हुए चैंबर को और प्रभावी बनाने का प्रयास किया जाएगा।

टीम के प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि चैंबर को व्यापारियों की समस्याओं की आवाज मजबूती से उठाने वाला मंच बनाने की जरूरत है। व्यवसायियों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित विभागों एवं



प्रशासन के समक्ष रखा जाएगा। शैलेंद्र कुमार सुमन ने कहा कि

शहर के व्यवसायियों को कई स्तरों पर समस्याओं का सामना करना

पड़ता है। बाजारों में मूलभूत सुविधाओं, यातायात, पार्किंग और

चैंबर चुनाव: टीम मुकेश अग्रवाल ने व्यापारियों से किया सीधा संवाद

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। चैंबर चुनाव को लेकर टीम मुकेश अग्रवाल ने सोमवार को शहर के विभिन्न इलाकों में पदयात्रा कर व्यापारियों एवं चैंबर की विभिन्न एफ़िलिएटेड बॉडी के सदस्यों से संपर्क साधा। इस दौरान टीम के सदस्यों ने शहर के कई प्रतिष्ठित उद्योगपतियों और समाजसेवियों से मुलाकात कर समर्थन और जीत का आशीर्वाद मांगा। टीम मुकेश की ओर से शाम सात बजे से लालपुर, कोकर, कांटाटोली और बूटी मांड क्षेत्र के व्यवसायियों के साथ बैठक की गई। बैठक में टीम ने अपना विजन प्रस्तुत करते हुए व्यापारियों के हित में किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा साझा की। साथ ही टीम के



सदस्यों का परिचय कराया गया। बैठक में थोक वस्त्र विक्रेता संघ के सदस्य भी शामिल हुए। टीम के सदस्यों ने व्यापारियों के समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए प्रभावी पहल का भरोसा दिलाया। टीम के अध्यक्ष पद के दावेदार मुकेश अग्रवाल ने कहा कि चैंबर को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं व्यापारियों के हित में प्रभावी मंच

बनाने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। चैंबर के पूर्व अध्यक्ष कुणाल अजमानी, किशोर मंत्री, अर्जुन जालान समेत अन्य पूर्व अध्यक्षों ने टीम मुकेश अग्रवाल को चुनाव में विजयी बनाने की अपील की। बैठक में चंद्रकांत रायपत, अमरचंद बेंगानी, विवेक मोहता, हैप्पी किंगर, सौरव कटारूका, आशीष सिंघानिया और

जयदेव ध्रुव, कुणाल विजयवर्गीय आदि मौजूद थे। इस अवसर पर अमित अग्रवाल, अमित किशोर अग्रवाल, अमित मिश्रा, अशोक प्रधान, आस्था किरण, सीए राज कुमार, डॉ. अभिषेक रामाधीन, माला कुजूर, मनीष जैन, अधिवक्ता निधि झुनझुनवाला, पौरुष जैन, प्रवीण लोहिया, पूर्णेंद्र तुलस्यान, राहुल अग्रवाल, राजेश गाडोदिया (आनंद), श्रीकृष्ण अग्रवाल, सुनील कारला, सुनील गुप्ता, तेजविंदर सिंह, उमंग सुल्तानिया, सुरेश चंद्र अग्रवाल, विष्णु अग्रवाल, अमर चंद बेगानी, मुनीर पोद्दार, मदन प्रसाद, संजय मही, कमल अग्रवाल, विनोद जैन, रमन बोड़ा समेत अन्य लोग मौजूद थे। यह जानकारी अमित अग्रवाल ने दी।

सहायक आचार्य परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन को चुनौती देने वाली याचिका पर हाई कोर्ट में 28 को अगली सुनवाई

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूला लागू किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई की। सुनवाई के दौरान झारखंड कर्मचारी व्शन आयोग (जेएसएससी) की ओर से अदालत में जवाब दाखिल किया गया। अदालत ने पूर्व में आयोग से आठ बिंदुओं पर जवाब मांगा था। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति दीपक रोशन की अदालत में हुई। अदालत ने प्राथियों और जेएसएससी, दोनों पक्षों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 28 सितंबर की तिथि निर्धारित की। प्राथियों की ओर से अधिवक्ता अमृताश्र वत्स, अधिवक्ता शुभम मिश्रा और अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता ने पक्ष रखा। वहीं, जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने अदालत के समक्ष आयोग का पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान प्राथियों की ओर से कहा गया कि सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में जेएसएससी द्वारा लागू किया गया नॉर्मलाइजेशन फॉर्मूला नियमसममत नहीं है। उनका तर्क था कि संबंधित नियुक्ति नियमवली में नॉर्मलाइजेशन का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। ऐसे में परीक्षा के परिणाम तैयार करने के लिए इस फॉर्मूल को लागू करना नियमों के अनुरूप नहीं है।

राधा-कृष्ण रूप-सज्जा में नन्हे कलाकारों ने मोहा मन

संस्कार भारती रांची महानगर की ओर से रूप-सज्जा प्रतियोगिता

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर संस्कार भारती, रांची महानगर की ओर से जवाहरलाल नेहरू कला केंद्र, श्यामली में राधा-कृष्ण रूप-सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। नन्हे-मुन्हे बच्चों ने राधा-कृष्ण के मनोहारी स्वरूप में सजकर अपनी मासूमियत, अभिनय-कौशल और सृजनशीलता से सभी का मन मोह लिया। आकर्षक वेशभूषा, मुकुट, मोरपंख, बांसुरी और पारंपरिक आभूषणों से सजे बच्चों ने पूरे परिसर को कृष्णमय बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत से हुआ। वीना चंद्र ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद डॉ. सुरिंदर कौर नीलम ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। संस्कार भारती का ध्येय गीत सुजाता मजूमदार, शशिकला पौराणिक, अविनिन्द सिंह एवं अनूप मजूमदार ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वीना चंद्रा एवं शशिकला



पौराणिक ने किया। कलाकारों एवं सदस्यों ने महाआरती की प्रस्तुति भी दी। प्रतियोगिता में बच्चों को आयु के आधार पर तीन वर्गों में बांटा गया था। प्रथम वर्ग में 0 से 2 वर्ष, द्वितीय में 3 से 4 वर्ष तथा तृतीय वर्ग में 5 से 7 वर्ष तक के बच्चों ने हिस्सा लिया। माध्यम प्रतिभागी को प्रस्तुति के लिए अधिकतम दो मिनट का समय दिया गया। बच्चों ने भाव-भंगिमाओं और आकर्षक प्रस्तुतियों के माध्यम से राधा-कृष्ण के स्वरूप को जीवंत कर दिया।

प्रतियोगिता के परिणाम

प्रथम वर्ग (0-2 वर्ष): प्रथम—

अर्षित नारायण, द्वितीय—मोहन बरनवाल, तृतीय—आद्याश्री। द्वितीय वर्ग (3-4 वर्ष): प्रथम—ध्रुति मिश्रा, द्वितीय—अक्षत गौतम, तृतीय—देवांश सिन्हा, सांत्वना—श्यामल मजूमदार। तृतीय वर्ग (5-7 वर्ष): प्रथम—आकांशा जाना, द्वितीय—अरण्या आनंद, तृतीय—अनुराधा आर्या, सांत्वना—शानवी तिवारी। प्रत्येक वर्ग में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को मोमंटो देकर सम्मानित किया गया, जबकि सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में शामिल सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

संस्कार भारती एवं अग्रवाल सभा, रांची के सदस्य विजय खोवाला की ओर से सभी प्रतिभागी बच्चों को विशेष उपहार के रूप में आकर्षक स्कूल बैग और बिस्किट के पैकेट दिए गए।

संस्कार भारती के पदाधिकारियों ने कहा कि इस तरह के आयोजन केवल मनोरंजन या प्रतियोगिता तक सीमित नहीं हैं। इनके माध्यम से बच्चों को भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का अवसर मिलता है। बाल्यावस्था में ही भारतीय सांस्कृतिक प्रतीकों और पौराणिक चरित्रों से परिचय बच्चों में अपनी संस्कृति के प्रति आत्मीयता और गौरव की भावना विकसित करता है। कार्यक्रम में संस्कार भारती रांची महानगर के अध्यक्ष रामानुज पाठक, साहित्य विधा संयोजक डॉ. सुरिंदर कौर नीलम, विधा संयोजक अविनिन्द सिंह, विजय खोवाला, शिव पाठक, रेणुबाला धार, शाशवती मुखर्जी, अभिलाषा तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद एवं मधुरेश चंद्रा सहित संस्था के सदस्य और बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित थे। अभिभावकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से आयोजन और भी जीवंत हो उठा।

एक्सपो उत्सव

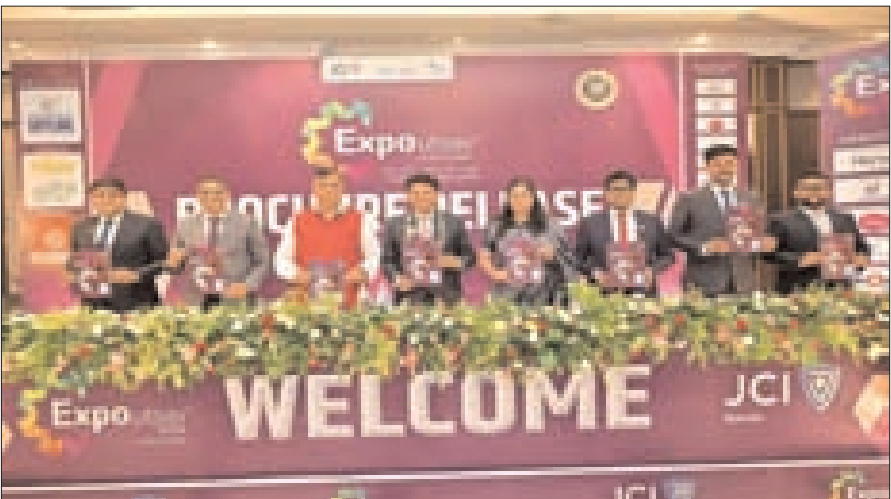
जेसीआई रांची ने एक्सपो उत्सव 2026 का आधिकारिक ब्रोशर किया लॉन्च

एक्सपो उत्सव का आयोजन 1 से 7 अक्टूबर तक मोरहाबादी मैदान में

नवप्रदेश संवाददाता

रांची। युवा सामाजिक एवं व्यापारिक संगठन जेसीआई रांची के बहुप्रतीक्षित और प्रमुख आयोजन एक्सपो उत्सव 2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। आयोजन के 29वें संस्करण के आधिकारिक ब्रोशर का विमोचन रविवार को होटल बीएनआर चाणक्य में आयोजित समारोह में किया गया। इस वर्ष एक्सपो उत्सव का आयोजन 1 से 7 अक्टूबर तक मोरहाबादी मैदान में होगा। मेले में देश-विदेश के विभिन्न प्रतिष्ठानों के स्टाल लगाए जाएंगे।

समारोह में मेकॉन के डायरेक्टर फार्नेस मुकेश कुमार मुख्य अतिथि और जेसीआई की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राखी जैन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। जेसीआई रांची के अध्यक्ष जेसी अभिषेक जैन



ने अतिथियों, सदस्यों और मीडिया प्रतिनिधियों का स्वागत किया।

इस वर्ष पंचरत्न स्काईलाइन एक्सपो उत्सव 2026 का प्रिंसिपल स्पॉन्सर है, जबकि टैगो, अल्पाइन और गृहस्थी पावर्ड पार्टनर के रूप में

जुड़े हैं। आयोजन को सफल बनाने में शहर के कई प्रमुख ब्रांड भी विभिन्न श्रेणियों में सहयोग कर रहे हैं। इनमें होटल चाणक्य (हॉस्पिटैलिटी पार्टनर), मोशन (एजुकेशन पार्टनर), बुद्धा टोयोटा

(ऑटोमोबाइल पार्टनर), श्री अलंकार (ज्वेलरी पार्टनर), प्रभुजी (फूड पार्टनर), वॉव डिटेलिंग (डिटेलिंग पार्टनर), बाल्ला (सिक्वोरिटी पार्टनर), बलीफिया (फोटोग्राफी पार्टनर),

एनटीपीसी (माइनिंग पार्टनर), आराध्या (ट्रैवल पार्टनर), अपना मार्ट (ग्रोसरी पार्टनर), कैफ़ीनेटर्स (बेवरेज पार्टनर) और रेडियो धूम (रैडियो पार्टनर) शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन जेसी सौरभ टॉटिया ने किया। धन्यवाद ज्ञापन संस्था के सचिव जेसी साकेत अग्रवाल ने किया। आयोजन शहरवासियों और सहयोगियों से एक्सपो के 29वें संस्करण को सफल बनाने में सहयोग की अपील की। आयोजन की तैयारियों में जेसीआई रांची की कोर टीम पूरी ऊर्जा के साथ जुटी है। टीम में चीफ को-ऑर्डिनेटर जेसी एचजीएफ सीए प्रशान्त पाटोदिया, को-ऑर्डिनेटर्स जेसी सौरभ जालान, जेसी राहुल टिबरेवाल, जेसी सौरव नारड़ी तथा एक्सपो ट्रेजरर जेसी सीए दीपक पटेल शामिल हैं। ब्रोशर

रिलीज के प्रोजेक्ट चैयरमैन जेसी देवेश जैन के साथ जेसी शिवी तनेजा, जेसी अमन जैन, जेसी ऋषभ जालान (डायरेक्टर जेनेसेस) और जेसी अनिमेश निखिल (उपाध्यक्ष-विजनेस) भी आयोजन की जिम्मेदारियों में सक्रिय हैं। एक्सपो के पीआरओ जेसी वरुण जालान ने बताया कि इस वर्ष एक्सपो में व्यापार, मनोरंजन और खरीदारी से जुड़े कई आकर्षण शामिल किए जाएंगे। स्टॉल बुकिंग सहित आयोजन से जुड़ी विस्तृत जानकारी भी साझा की गई। जेसीआई रांची के अध्यक्ष और प्रोजेक्ट चैयरमैन ने शहर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सहयोगी संस्थाओं, सदस्यों और मीडिया प्रतिनिधियों से एक्सपो उत्सव के 29वें संस्करण को सफल बनाने में सहयोग की अपील की।

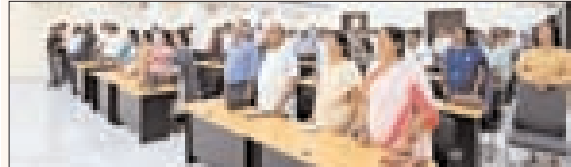
एक नजर

पशुपतिनाथ मंदिर में महाआरती, उमड़े श्रद्धालु



रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के पशुपतिनाथ मंदिर में प्रत्येक सोमवार की भांति 7 सितंबरको श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। शाम में मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, फूल और नेवेद्य अर्पित किया। सोमवार की महाआरती उत्तम देशमुख-कविता देशमुख परिवार द्वारा निवेदित थी। मंदिर के आचार्य सुनील कुमार पांडेय एवं अमलेश मिश्र ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना कराई। रुद्राष्टकम के वाचन के साथ पुष्पांजलि दी गयी। आरती में श्रुति देशमुख, डॉ शैलेंद्र कुमार रजक, सीता देवी, डॉ विनोद गुप्ता, अवध बिहारी लाल, ललितेश्वर सिंह, बद्री प्रसाद, हेमप्रभा अग्रवाल, डॉ सरोज कुमार ठाकुर, डॉ नन्दनी कुमारी, शानवी, बौरेंद्र ठाकुर, अमित कुमार, अभिषेक, इन्द्रनाथ मुंडा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल थे। महाआरती के दौरान मंदिर परिसर घंटियों और छहर हर महादेवळ के जयघोष से गुंज उठा। श्रद्धालुओं ने हाथों में दीप लेकर सामूहिक आरती में भाग लिया। आरती के बाद भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष डॉ एके श्रीवास्तव ने बताया कि प्रत्येक सोमवार को विशेष पूजा और आरती का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दीक्षांत की तैयारियों के बीच आरयू ने साफ किया प्लान, आज मिलेगा गेट पास-ड्रेस; पार्किंग भी तय

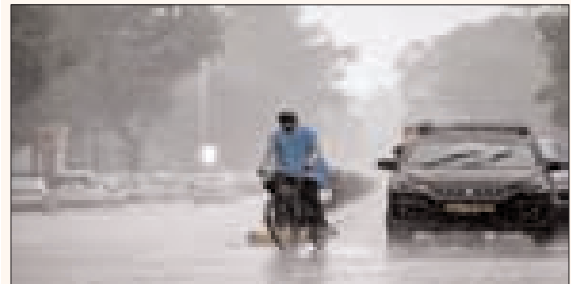


रांची। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले रांची विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों का इंतजार अब खत्म होने वाला है। 9 सितंबर को होने वाले 39वें दीक्षांत समारोह से पहले विश्वविद्यालय प्रशासन ने गेट पास, ड्रेस और पार्किंग को लेकर व्यवस्था स्पष्ट कर दी है। विद्यार्थियों को अब 8 सितंबर की सुबह 10 बजे से गेट पास और दीक्षांत समारोह की ड्रेस दी जाएगी। गौरतलब है कि गेट पास और ड्रेस का वितरण 7 सितंबर से प्रस्तावित था, लेकिन झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार के आकरसिक निधन के बाद घोषित राजकीय शोक के कारण कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। अब विश्वविद्यालय ने इसके लिए 8 सितंबर की तिथि तय की है। विद्यार्थी निर्धारित स्थल पर पहुंचकर अपना गेट पास और ड्रेस प्राप्त कर सकेंगे। दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में उनके अभिभावक, शिक्षक, विश्वविद्यालय के पदाधिकारी और आमंत्रित अतिथियों के पहुंचने की संभावना है। ऐसे में समारोह के दिन वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रखने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अलग-अलग श्रेणी के लोगों के लिए अलग पार्किंग स्थल तय किए हैं। डीन और विभागाध्यक्षों के वाहन आर्ट्स डी ब्लॉक में पार्क होंगे। वहीं फैकल्टी सदस्यों, विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों व परिजनों के वाहनों के लिए राम दयाल मुंडा फुटबॉल मैदान (रांची कॉलेज ग्राउंड) निर्धारित किया गया है। वीआईपी और आमंत्रित अतिथियों के वाहन मल्टी परपज एग्जामिनेशन हॉल के समीप निर्धारित स्थान पर पार्क किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही इस्तेमाल करें। प्रशासन का कहना है कि तय पार्किंग व्यवस्था का पालन होने से समारोह के दौरान वाहनों की भीड़ को नियंत्रित करने के साथ यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में मदद मिलेगी। अब 8 सितंबर को गेट पास और ड्रेस वितरण के बाद समारोह की तैयारियां अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंचेंगी। इसके अगले दिन विश्वविद्यालय परिसर में दीक्षांत समारोह आयोजित किया जाएगा, जहां विद्यार्थी एग्जामिनेशन हॉल के समीप औपचारिक मान्यता के साथ डिग्री प्राप्त करेंगे

जेएसएससी - सीजीएल नियुक्ति रद्द करने के सरकार के आदेश पर उच्च न्यायालय की रोक

रांची। झारखंड सरकार की ओर से नोटिफिकेशन जारी कर जेएसएससी - सीजीएल (विज्ञापन संख्या 10 /2023) से नियुक्त कर्मियों को हटाए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली निरोज एवं अन्य (245 कर्मियों) की याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में सोमवार को सुनवाई हुई। मामले में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति दीपक रोशन की कोर्ट ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा से जुड़ी नियुक्ति रद्द करने के सरकार के आदेश पर रोक लगा दी। साथ ही मामले में सरकार और जेएसएससी से 15 सितंबर तक जवाब मांगा है। प्राथियों की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव रंजन और अधिवक्ता दीपांकर एवं अधिवक्ता श्रेय मिश्रा ने पक्ष रखा। प्राथियों ने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा नियुक्ति को रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश को चुनौती दी गई है। उल्लेखनीय है कि सीआईडी जांच में मिले तथ्यों के आधार पर राज्य सरकार ने 18 अगस्त की देर रात उन सभी परीक्षाओं को रद्द करने की घोषणा की थी, जिसमें टीडीपीएल शामिल रहा है। इसके अलावा वर्ष 2014 से हुई सभी नियुक्ति परीक्षाओं में संभावित अनियमितता के मद्देनजर जांच करने की घोषणा भी की गयी थी। इन घोषणाओं के मद्देनजर कार्मिक प्रशासनिक विभाग ने परीक्ष रद्द करने, परीक्षा प्रक्रिया स्थगित करने और जांच करने से संबंधित अधिसूचना जारी की है। इसमें 22 परीक्षाओं को रद्द करने, 06 की प्रक्रिया को स्थगित करने और 17 परीक्षाओं को जांच के दायरे में शामिल करने का उल्लेख किया गया है।

रांची समेत कई जिलों में झमाझम बारिश, 13 सितंबर तक बारिश-वज्रपात का येलो अलर्ट



रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित कई जिलों में पिछले दो-तीन दिनों से जारी गर्मी और उमस के बीच सोमवार को हुई मूसलाधार बारिश से लोगों को राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहाना हो गया। दोपहर में हुई जोरदार बारिश से रांची के कई इलाकों में जलजमाव हो गया। कई सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने 13 सितंबर तक रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में गर्जन के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। इस दौरान कुछ इलाकों में भारी बारिश भी हो सकती है। विभाग ने इसे लेकर येलो अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 112.4 मिलीमीटर बारिश गिरिडीह जिले के पाटेंटुंड में दर्ज की गई। इस दौरान बहरागोड़ा में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान रांची के कांके में 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सोमवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह मौसम साफ रहा, लेकिन दोपहर बाद काले बादल छा गए और जोरदार बारिश हुई। रांची में अधिकतम तापमान 31.5 और न्यूनतम 23.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 35.0 और न्यूनतम 26.4 डिग्री, डाल्टगंज में 32.8 और 25.9 डिग्री, बोकारो में 34.5 और 25.1 डिग्री तथा चाईबासा में 35.4 और 24.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

संक्षिप्त खबरे

घर के बाहर खेल रही डेढ़ साल की बच्ची को कार ने कुचला, मौत

रातु। थाना क्षेत्र के आमटांड में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में डेढ़ साल की बच्ची की मौत हो गई। घर के बाहर खेल रही बच्ची को एक तेज रफतार कार ने कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका की पहचान प्रियांशी कुमारी उर्फ पिहू (उम्र डेढ़ वर्ष), पिता राजू नायक के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार सुबह करीब आठ बजे प्रियांशी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान एक टाटा इंडिका जेस्ट कार तेज गति और लापरवाही से वहां पहुंची और बच्ची को अपनी चपेट में ले लिया। परिजनों का कहना है कि कार के आगे और पीछे दोनों पहिए बच्ची के ऊपर से गुजर गए। हादसे के बाद मौके पर चोख-पुकार मच गई। परिजनों ने आरोप लगाया है कि कार चालक नशे में धुत था, हालांकि पुलिस ने इस आरोप की पुष्टि नहीं की है। चालक की पहचान सुनील बैठा, पिता स्व. सुरेश बैठा के रूप में हुई है। जबकि कार संपीप कुमार, पिता कुंवर साहू का बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। मृतका के पिता राजू नायक के बयान पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सब्जी खरीदने दलादिली बाजार गए युवक की बाइक चोरी

रातु। थाना क्षेत्र के दलादली साप्ताहिक बाजार से पांच सितंबर को एक बाइक की चोरी हो गई है। इस संबंध में पीड़ित पृथ्वी भगत चुन्द पाकर टोली, कुड़ू, लोहरदगा निवासी ने रातु थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार पृथ्वी पहाड़ और काम के सिरमिले में चाला टोली, कटहल मोड़, रांची में पोड़हा उरांव के घर किए गए पर रहता है। पांच सितंबर शाम छह बजे के करीब वह अपने बसपुर चंद्रा भगत की बाइक जेएच 01बीएस 0385 लेकर सब्जी खरीदने दलादली साप्ताहिक बाजार गया था। उसने बाइक रैन फॉरेस्ट रेस्टोरेंट के सामने पार्क की थी। बाजार करने के बाद लौटने पर बाइक वहां से गायब थी। पीड़ित ने दोस्तों के साथ आसपास काफी खोजबीन की, लेकिन बाइक का कोई पता नहीं चला। रातु पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रामकृष्ण चौधरी पुनः बने गौदलीपोखर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष

अनगड़ा। श्री दुर्गा पूजा समिति गौदलीपोखर की बैठक मॉडर प्रांगण में रामकृष्ण चौधरी की अध्यक्षता में हुई। बैठक में पूजा आयोजन को लेकर पूर्व में गठित समिति को ही नियमित करने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जिसमें अध्यक्ष रामकृष्ण चौधरी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्की सोनी, महामंत्री रंजीत केशरी सोनू, सचिव ज्योतिष महतो, सह सचिव राजेन्द्र साहू और विवेक केशरी, कोषाध्यक्ष संजय केशरी, सह कोषाध्यक्ष शिवपुजन चौधरी, प्रचार मंत्री शिवशंकर केशरी, उपाध्यक्ष अरुण महतो, सूरज गुप्ता, सतीश महतो, नरेश साहू, सुनील केशरी, सचिन केशरी सहित अन्य बनाए गए हैं , वहीं पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, नीलकंठ चौधरी, दीपक सोनी, सागर साहू, सुरेन्द्र महतो, अजय महतो, जितेन्द्र कुमार, मनोज चौधरी, विश्राम महतो, रंथा महली, रामसाय मुंडा, विश्वेश्वर चौधरी, जलेश्वर महतो, हेरुकृष्ण चौधरी, गोवर्धन महतो को संरक्षक बनाया गया है।

मांडर शिव मंदिर प्रांगण में भाजपा मंडल की कार्यसमिति बैठक

आज के घेराव कार्यक्रम की बनी रणनीति

बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने पर जोर, सेवा सप्ताह पर भी चर्चा

नवप्रदेश संवाददाता
मांडर। प्रखंड के शिव मंदिर प्रांगण में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी मांडर मंडल की मासिक कार्यसमिति बैठक सह बूथ समिति गठन, शक्ति केंद्र एवं बीएलए-2 की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बबलु गोप ने की। बैठक में मंडल के बूथ अध्यक्ष, पंचायत प्रभारी, उपाध्यक्ष, मंत्री, कार्यसमिति सदस्य, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा आगामी कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। आगामी 8 सितंबर को रांची उपायुक्त कार्यालय के

सुदीब्य कुमार सोनू को कांग्रेस ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

बेड़ो के बिशु भगत महिला इंटर महाविद्यालय में श्रद्धांजलि सभा, मंत्री शिल्पी नेहा तिरकी व वरिष्ठ नेता बंधु तिरकी हुए शामिल

नवप्रदेश संवाददाता

बेड़ो। मांडर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से बेड़ो स्थित विशु भगत महिला इंटर महाविद्यालय में दिवंगत पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुदीब्य कुमार सोनू की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।कार्यक्रम में झारखंड सरकार की मंत्री शिल्पी नेहा तिरकी विशेष रूप से उपस्थित रहीं, जबकि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बंधु तिरकी ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम का शुरुआत दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर हुई।

बुड़ू में झामुमो कार्यालय में शोकसभा, मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी श्रद्धांजलि



बुंडू। झारखंड सरकार के मंत्री एवं वरिष्ठ झामुमो नेता सुदीप कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के बुड़ु स्थित प्रधान कार्यालय में शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का नेतृत्व झामुमो अल्पसंख्यक प्रतिनिधि अशरफ अंसारी ने किया। इस अवसर पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने दिवंगत मंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शोकसभा में कार्यकर्ताओं ने नम



उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। पूरे कार्यक्रम के दौरान माहौल गमगीन रहा और कार्यकर्ताओं ने नम आंखों से अपने दिवंगत नेता को याद किया।

मंत्री शिल्पी नेहा तिरकी ने कहा कि सुदीब्य कुमार सोनू का असमय निधन अत्यंत पीड़ादायक और

अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि सोनू केवल जनप्रतिनिधि और कैबिनेट के साथी ही नहीं थे, बल्कि संवेदनशील, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के साथ-साथ मार्गदर्शक की भूमिका में भी रहे। उनके निधन से कांग्रेस परिवार के साथ पूरे समाज को गहरा आघात पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि जनसेवा के प्रति

स्कूल में शोकसभा आयोजित, सुदिव्य कुमार सोनू को दी श्रद्धांजलि

बेड़ो: झारखंड सरकार के मंत्री एवं वरिष्ठ झामुमो नेता सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर डीएवी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, बेड़ो में शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। विद्यालय के प्राचार्य कैलाश कुमार के नेतृत्व में शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार के सदस्यों ने दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। शोकसभा के दौरान विद्यालय परिवार ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर विद्यालय परिसर का वातावरण गमगीन रहा। उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मियों ने सुदिव्य कुमार सोनू के सामाजिक एवं सार्वजनिक जीवन में किए गए योगदान को याद किया।



प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू का असामयिक निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि साहजिक जीवन में रहे हुए उन्होंने समाज, शिक्षा और युवाओं के हित में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्राथमिकता दी और कार्यकर्ताओं के साथ हमेशा आत्मीय संबंध बनाए रखा।

श्रद्धांजलि सभा में बेड़ो प्रखंड अध्यक्ष कर्मा उरांव, उप प्रमुख मोहशिर हक, मजकुर सिद्दीकी, नवल सिंह, देवनीश तिग्गा, बेरोनिका कच्छप, शमीम अख्तर, मांगा उरांव, रमेश महली, इस्तियाक, जयंत बारला, सुदामा महली, अबूमाज, परवेज आलम, सुका उरांव, आबिद अंसारी, सेरोपिना मिंज, मनक् कुजूर, दिनेश राम, फहीम हक, पंचू मिंज और मीर मुस्लिम सहित कांग्रेस के विभिन्न मंच-मोर्चा के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने दिवंगत नेता के व्यक्तित्व और जनसेवा में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।



प्राचार्य कैलाश कुमार ने कहा कि सुदिव्य कुमार सोनू का असामयिक निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि साहजिक जीवन में रहे हुए उन्होंने समाज, शिक्षा और युवाओं के हित में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उनके निधन से राज्य ने एक समर्पित जनप्रतिनिधि और कर्मठ नेता खो दिया है।

उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन घड़ी में धैर्य एवं शक्ति देने की प्रार्थना की।

भाजपा का जिला मुख्यालय घेराव आज

जेपीएससी, जेएसएससी घोटाले का विरोध

नवप्रदेश संवाददाता
रातु। भारतीय जनता पार्टी, रांची पश्चिमी द्वारा आठ सितंबर को रांची जिला मुख्यालय का घेराव किया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार ने रातू में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड की वर्तमान सरकार द्वारा जेपीएससी और जेएसएससी-सीजीएल नियुक्ति घोटाले के विरोध में आंदोलन कर रहे निर्दोष छात्रों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज कर उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। साथ ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का भी अपेक्षित रूप से अनुपालन नहीं

नवप्रदेश संवाददाता

रातु। विश्व हिंदू परिषद, रांची ग्रामीण के तत्वावधान में विहिप का स्थापना दिवस समारोह सोमवार को रातू के टेंडर ग्राम स्थित होटल सेवन सीज में हॉपेल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता के चित्र पर पुष्पांचन और दीप प्रज्वलित कर किया गया। अध्यक्षता विहिप रांची के अध्यक्ष रामेश्वर दयाल सिंह ने की, जबकि संचालन रांची ग्रामीण जिला मंत्री लाल लोकनाथ शाहदेव ने किया। उन्होंने कहा कि संवोधित करते हुए बजरंग दल के प्रांत संयोजक रंगनाथ महतो ने कहा कि देश और धर्म के लिए जीवन समर्पित करने की भावना के साथ संगठन कर रहे निदोष छात्रों की जरूरत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज और राष्ट्रहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता

क्षेत्र संगठन मंत्री विजय प्रताप ने भारत की महान संस्कृति और सभ्यता के संरक्षण पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदुत्व की रक्षा, देश-धर्म के लिए एकी की भावना और समाज में जागरूकता पैदा करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने जातीयता के आधार पर विभाजित न होने और सामाजिक सद्भाव व भाईचारे को मजबूत बनाए रखने की अपील की। समारोह में रोबिन कुमार महतो, दीपक उरांव, विजयनाथ महतो, विवेकानंद प्रजापति,रंजू देवी, ममता चौहान, बीना सिंह, पार्वती देवी, विश्वेश्वर नाथ वर्मा, मुक्तिनाथ, चंदन प्रसाद, राम प्रसाद मुंडा, नवल ठाकुर, कालीदास तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे। अंत में कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने, भारतीय संस्कृति के संरक्षण और समाज में एकता-सद्भाव बनाए रखने का संकल्प लिया।

एक नजर

रांची विश्वविद्यालय में शोक सभा में श्री सुदिव्य कुमार सोनू को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी



रांची। 7 सितंबर 2026 को रांची विश्वविद्यालय में दिवंगत श्री सुदिव्य कुमार सोनू को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। सोमवार को विश्वविद्यालय के मौलाना आजाद सीनेट हॉल में शोक सभा में कुलपति प्रो.सरोज शर्मा के साथ पूरे रांची विश्वविद्यालय परिवार ने झारखंड के माननीय मंत्री श्री सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर मौन रखकर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें याद कर उनकी तस्वीर पर श्रद्धा सुमन अर्पित की। स्व. सुदिव्य कुमार सोनू झारखंड के नगर विकास एवं आवास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग तथा पर्यटन, कला संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग मंत्री थे। माननीय कुलपति प्रो.सरोज शर्मा ने शोक व्यक्त करते हुये कहा कि श्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन से हमने एक उजावोन,कर्मठ, संवेदनशील व्यक्तित्व को आकस्मिक खो दिया यह रास्य और विश्वविद्यालय के लिये अपूरणीय क्षति है। क्लस्टर सिस्टम पर उन्होंने हम सबों की समस्याओं को सुनकर बहुत ही सार्थक पहल की। हम रांची विश्वविद्यालय परिवार की ओर से उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और इश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इस दुःख की घड़ी को सहने की सबों को शक्ति प्रदान करें। शोक सभा में रजिस्ट्रार, डीएसडब्ल्यू, साईंस डीन, परीक्षा नियंत्रक, सीसीडीसी, एफए, एफओ, डीएसडबल्यू , निदेशक सीवीएस, विभिन्न विभागों के हेड, संकायाध्यक्ष, शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

रातू के हेरा नगर में बंद घर का ताला तोड़ नगदी व जैवरात सहित 10 लाख की चोरी

रातु। थाना क्षेत्र के हाजी चौक स्थित हेरा नगर में रविवार रात 10 बजे से 12 बजे के बीच चोरों ने मो खालिक आलम के बंद घर को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की घटना को अंजाम दिया है। घटना के समय घर के लोग घर में ताला बंद कर चिकित्सक के पास इलाज को गए थे। पीडित मो खालिक आलम ने बताया कि अपने परिवार के साथ घर में ताला लगाकर इलाज के लिए डॉक्टर के पास गया था। करीब दो घंटे बाद रात 12 बजे जब परिवार सहित घर लौटा तो घर का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखने पर पाया कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी टूटी हुई थी। जांच करने पर नकद और जेवरात गायब मिले। मो खालिक आलम के अनुसार चोर घर से चार लाख रुपये से अधिक नकद और करीब पांच-छह लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। चोरी के हाथ लगभग 10 लाख रुपये की संपत्ति हाथ लगी है। पीडित ने तुरंत चोरी की सूचना रातू थाना को दी। घटना की सूचना मिलते ही रातू पुलिस मौके पर पहुंची और जांच किया। इस मामले को लेकर भुक्तभोगी मो खालिक आलम ने रातू थाने में शक के आधार पर आधा दर्जन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें कई क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति है। रातू पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर चोरों की तलाश कर रही है।

चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य बेहद जरूरी : कमांडेंट शाश्वत कुमार

अनगड़ा। 26वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल अनगड़ा परिसर में वाहिनी के कमांडेंट आईपीएस शाश्वत कुमार के दिशा-निर्देश में सोमवार से छह दिवसीय आर्ट ऑफ लिविंग कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्देश्य कठिन परिस्थितियों में तैनात जवानों को मानसिक तनाव से राहत दिलाना, कार्यक्षमता बढ़ाने और सकारात्मक सोच विकसित करना है। कार्यक्रम में व्यक्ति विकास संस्थान, बेंगलुरु से आए मुख्य योग प्रशिक्षक मानस पल्स एवं उनके दो सहायक प्रशिक्षकों द्वारा वाहिनी के लगभग 120 कर्मिकों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस दौरान जवानों को योग, प्राणायाम, ध्यान, सुदर्शन क्रिया तथा तनावमुक्त जीवन जीने के व्यावहारिक उपायों की जानकारी दी गई। कमांडेंट शाश्वत कुमार ने कहा कि एसएनबी के जवान अत्यंत कठिन व चुनौतीपूर्ण माहौल में अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं। ऐसे में उनके शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से स्वस्थ रहना भी बेहद जरूरी है। प्रशिक्षक मानस पल्स ने बताया कि नियमित ध्यान व सही श्वास तकनीक के अभ्यास से कार्यक्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि होती है।

बिरसा उरांव स्मृति फुटबॉल प्रतियोगिता की विजेता बनी, सुदेश महतो ने किया पुरस्कृत



अनगड़ा। प्रखंड के गुड़ीडीह में आयोजित 55वी बिरसा उरांव स्मृति फुटबॉल प्रतियोगिता की विजेता एफसी ओरमांडी की टीम बनी। फाइनल मुकाबले में एफसी ओरमांडी ने एफसी बड़ाम को रोमांचक पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से पराजित कर खिताब अपने नाम किया। मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने विजेता टीम एफसी ओरमांडी को 61 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। वहीं उपविजेता एफसी बड़ाम को ग्राम प्रधान भीम सिंह मुंडा, मुखिया विजय उरांव एवं सिल्टी प्रमुख जितेंद्रनाथ बड़ाइक ने संयुक्त रूप से 41 हजार रुपये नकद व ट्रॉफी दी। तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमों को भी 15-15 हजार रुपये देकर पुरस्कृत किया गया। सुदेश महतो ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, उन्हें बेहतर मंच देने की आवश्यकता है। उन्होंने पिछले 55 वर्षों से लगातार इस ट्रानार्मेट का सफल आयोजन कर रहे डीजेआर कलर के प्रयासों की सराहना की और युवाओं से नशे से दूर रहकर खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने का आह्वान किया। मौके पर दिलीप बेदिया, शंकर बेदिया, राजू महली, शशि प्रकाश सिंहा, सोहन बेक, अशोक महतो, चामु उरांव, अजय नायक, चूमना उरांव, राजेंद्र महतो, शिव शंकर प्रसाद, अमर सिंह मुंडा, मोहन महतो, राजू उरांव व आयोजन समिति के अध्यक्ष अशोक एकाद सहित खेल प्रेमी उपस्थित थे।

भव्य दही हांडी प्रतियोगिता, बजरंग दल मालती मंदार टीम बनी विजेता

रांची। हटिया जन्माष्टमी पूजा समिति की ओर से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के अवसर पर भव्य दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न टीमों ने पूरे उत्साह और जोश के साथ भाग लिया। समिति के मुख्य संरक्षक नंदन यादव की पहल एवं मार्गदर्शन में आयोजित प्रतियोगिता में बजरंग दल मालती मंदार टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए करीब 22 फीट की ऊंचाई पर लगी दही हांडी को महज 1 मिनट 2 सेकंड में फोड़कर प्रथम स्थान हासिल किया। विजेता टीम को 11,000 रुपये नकद एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। वहीं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को भी 5,100 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को 3,100 रुपये का पुरस्कार दिया गया। विजेता टीम के प्रदर्शन पर आयोजन स्थल तालियों और भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, सचिव चंदन यादव सहित सनी यादव, अभिजीत हलदार, भूपेन्द्र कुमार आईआईएम समेत सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति ने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईदारा, एकता और सद्भाव को मजबूती मिलती है।



धनबाद में एलआईसी के 70 वर्ष पूरे होने पर बीमा कर्मचारी संघ ने गिनाई उपलब्धियां

नवप्रदेश/धनबाद। देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी ने 1 सितंबर को 70 साल की सेवा यात्रा पूरी कर ली है। इस ऐतिहासिक मौके पर हजारीबाग मंडल के बीमा कर्मचारी संघ की ओर से धनबाद स्थित एलआईसी गेस्ट हाउस में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।संघ के मंडल अध्यक्ष हेमंत मिश्रा ने कहा कि 19५६ में स्थापित एलआईसी आज सिर्फ एक बीमा कंपनी नहीं, बल्कि

भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ बन चुका है। एक छोटे से प्रयास से शुरू हुआ यह सफर आज करोड़ों भारतीयों के भरोसे का प्रतीक है। मिश्रा ने आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि मौजूदा समय में एलआईसी का कुल एसेट बेस ५9 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। अब तक निगम देश के विकास में ५५ लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुका है, जिसमें से लगभग ४०



लाख करोड़ रुपये केंद्र और राज्य सरकारों की प्रतिभूतियों, हाउसिंग, सिंचाई और सड़क समेत अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट में लगाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि एलआईसी ने इस बार अपने पॉलिसीधारकों के लिए ५९,7२६ करोड़ रुपये के बोनस का ऐलान किया है, जो पिछले साल के

मुकाबले ५.२ फीसदी ज्यादा है। दावा निपटान में निगम का रिकॉर्ड ९९ फीसदी के करीब है। बीते वित्तीय वर्ष में २५३ लाख से अधिक दावों का भुगतान किया गया। निगम की वित्तीय मजबूती का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उसका सॉल्वेंसी अनुपात २.३५ गुना है।मिश्रा ने कहा कि निजी कंपनियों के आने के बाद भी एलआईसी ने बाजार में अपनी अग्रणी भूमिका बरकरार रखी है और वह मार्केट

मेकर की भूमिका निभा रहा है। ७1वें स्थापना दिवस पर अखिल भारतीय बीमा कर्मचारी संघ ने एलआईसी की सुरक्षा और मजबूती के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।इस दौरान संगठन सचिव अमित कुमार, सहायक सचिव सुबीर कुमार राम, राकेश कुमार, राहुल प्रसाद, संजय पाटक, रबींद्र दुबे, आशीष रंजन, अभिषेक कुमार, बासु बहादुर, जोगेश्वर राम सहित संघ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा और समर्पण की मिसाल: धनबाद में ५१ शिक्षकों को किया गया सम्मानित

नवप्रदेश/धनबाद। शिक्षक प्रदित के मौके पर शहर में शिक्षा के प्रति समर्पित शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए एक भव्य समारोह का आयोजन हुआ। सेवा एवं समर्पण संस्था के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में धनबाद के विभिन्न विद्यालयों से जुड़े ५१ शिक्षकों को अंगवस्त्र और सम्मान-पत्र देकर सम्मानित किया गया।समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुंभनाथ सिंह, उदय सिंह व अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर



किया। कार्यक्रम के दौरान हाल ही में दिवंगत हुए मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

मुख्य अतिथि कुंभनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को माता-पिता से भी ऊंचा दर्जा दिया गया है। शिक्षक ही वह व्यक्ति है जो ज्ञान की रोशनी से छात्र के जीवन

का अंधेरा मिटाता है। उन्होंने कहा कि समाज के निर्माण में शिक्षक की भूमिका सबसे अहम है और उनका सम्मान करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है।उन्होंने इस आयोजन के लिए संस्था की प्रमुख काजल झा और उनकी पूरी टीम की सराहना की।कार्यक्रम को सफल बनाने में रेखा, छवि, मुदुला, पूजा, सुरभि, कृष्णा और काजल झा का विशेष योगदान रहा। अंत में संस्था की ओर से सभी सम्मानित शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बोकारो में उमड़ा श्रद्धा का समंदर, संत विज्ञानदेव जी महाराज ने स्वर्वेद यात्रा के जरिए फूँका आध्यात्मिक चेतना का शंखनाद

औद्योगिक नगरी बोकारो में उकरींद मोड़ से लेकर बोकारो क्लब तक गूँजे जयकारे, संत श्री की एक झलक पाने को आतुर दिखे हजारों श्रद्धालु



ने शांति और सौहार्द का संदेश प्रसारित किया। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ यह महाआयोजन पांच अलग-अलग चरणों में बेहद सुव्यवस्थित और प्रवाहमय ढंग से आगे बढ़ा। कार्यक्रम के एक महत्वपूर्ण क्षण में साहित्य और पत्रकारिता का अनूठा संगम देखने को मिला, जब ‘झारखंड दर्शन’ के संपादक व मीडिया प्रभारी विनय कुमार तिवारी द्वारा प्रकाशित हिंदी मासिक पत्रिका ह्यआदित्य वैभवह्र का संत श्री के कर-कमलों द्वारा विमोचन किया गया। इस गौरवमयी पल के साक्षी ‘विहंगम योग संदेश’ के संपादक सुखनंदन सिंह सदाय, यू.पी. सिंह, डॉ. अशोक कुमार पाण्डेय और डॉ. प्रदीप कुमार जैसे प्रबुद्ध जन बने। स्वर्वेद कथा के उपांत जब संत विज्ञानदेव जी महाराज का ओजस्वी संबोधन शुरू हुआ, तो पांडाल में बैठा हर एक श्रद्धालु भावविभोर हो उठा। संत श्री ने जीवन की सार्थकता को रेखांकित करते हुए कहा कि मानव जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाओं और बाहरी ढोंड़-धूप तक सीमित नहीं है। विहंगम योग कोई कर्मकंड या बाहरी आडंबर नहीं, बल्कि मृत्यु को उसकी अनंतात्मा के मूल स्वरूप से परिचित करने वाली

एक दिव्य साधना है। आज के इस आपाधापी और तनावभरे माहौल में अगर समाज और परिवार में शांति कयम करनी है, तो उसकी शुरूआत व्यक्ति को अपने भीतर से करनी होगी। जब अंतःकरण शुद्ध और शांत होगा, तभी वास्तविक आनंद की प्राप्ति संभव है। प्रवचन के उपांत संत श्री ने स्वर्व उपस्थित जनसमूह को ध्यान और व्यावहारिक साधना का अभ्यास करवाया, जिससे पूरा परिसर गंभीर ध्यान की नीरवता में डूब गया।

उल्लेखनीय है कि ३१ अगस्त से शुरू होकर ११ अक्टूबर तक चलने वाली यह संदेश यात्रा झारखंड, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, गुजरात और दिल्ली के विभिन्न अंचलों से गुजरते हुए जन-जन में चेतना का संचार कर रही है। इस यात्रा का एक प्रमुख ध्येय आगामी १४ व १५ दिसंबर को उमरगाह (वारणसी) में आयोजित होने वाले १०३वें वार्षिकोत्सव एवं ऐतिहासिक २५,००० कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महासभा के लिए श्रद्धालुओं को आमंत्रित करना है। बोकारो में मिला यह अपार जनसमर्थन इस बात का जीवंत प्रमाण है कि आज भी भौतिकता के बीच अध्यात्म की लौ उतनी ही प्रखरता से जल रही है।

वन सुरक्षा समिति की मांग पर बड़ी मुआवजा राशि, बोकारो में नए प्रावधान का पहला मामला

नवप्रदेश/कसमारा, बोकारो। दुर्गापुर ललमटिया निवासी बुधनी देवी, पति बनमाली महतो की जंगली सियार के हमले में घायल होने के बाद इलाज के दौरान ३ सितंबर को रिम्स, रांची में मौत हो गई थी। सोमवार को राज्य सरकार एवं वन विभाग की ओर से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू की गई। मृतका के पति बनमाली महतो को तत्काल क्रियाकर्म के लिए ५० हजार रुपये की सहायता दी गई। कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ९.५० लाख रुपये और दिए जाएंगे। इसमें ४.५० लाख रुपये का चेक तथा ५ लाख रुपये फिक्स्ड डिपॉजिट किए जाएंगे। इसके अलावा आश्रित को तीन वर्षों तक प्रतिमाह २ हजार रुपये की सहायता मिलेगी।



बताया गया कि जंगली जानवरों के हमले में मृत्यु पर मुआवजा बढ़ाकर १० लाख रुपये किया गया है। बोकारो जिले में नए प्रावधान के तहत यह पहला मामला बताया जा रहा है। वन बचाव समिति उत्तरी छोटानागपुर के अध्यक्ष विष्णु चरण महतो ने कहा कि समिति

केन्द्रीय कोषाध्यक्ष आनंद कुमार महतो ने कहा कि सरकार की ओर से तत्काल सहायता देना सराहनीय है। वहीं भाजपा मंडल महामंत्री अनीश कुमार जायसवाल ने मानव जीवन की सुरक्षा को प्राथमिकता देने और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी की मांग की। दुर्गापुर पंचायत समिति के पूर्व सदस्य रामकिशुन महतो ने भी शेष मुआवजा शीघ्र देने तथा जंगल के आसपास नियमित गश्ती और ग्रामीणों को जागरूक करने की मांग की।

मौके पर वनरक्षी सुरेश टुडू, जगदीश महतो, देवनाथ महतो, सुष्टिधर महतो, सुनीता देवी, बालेश्वरी देवी, बाबूराम महतो, ललित महतो समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

नवप्रदेश संवाददाता

बोकारो: डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-४ में सोमवार को एक विशेष शोक सभा का आयोजन कर झारखंड सरकार के दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय की विशेष प्रार्थना सभा में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

शिक्षा एवं जनसेवा के

क्षेत्र में अपूरणीय शक्ति: प्राचार्य

शोक सभा को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्राचार्य एस. के. मिश्रा ने कहा कि दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने झारखंड के विकास तथा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि राज्य ने एक संवेदनशील, कर्मठ और समर्पित जनसेवक खो दिया है। उनका

असामयिक निधन पूरे झारखंड के लिए एक अपूरणीय क्षति है और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण आने वाली पीढ़ियों को संदेव प्रेरित करता रहेगा।

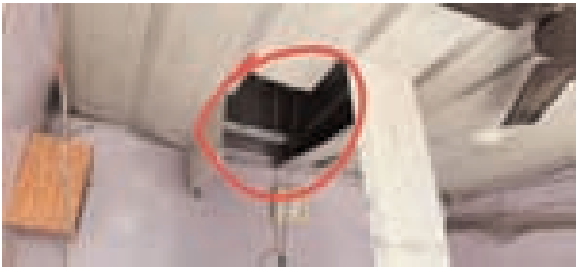
सामूहिक शांति-पाठ से वातावरण हुआ भावुक

प्राचार्य के संबोधन के बाद प्राचार्य, सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, गैर-शिक्षण कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत

आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके उपरांत विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा सामूहिक शांति-पाठ प्रस्तुत किया गया, जिससे पूरा विद्यालय परिसर अत्यंत भावुक और श्रद्धावश हो उठा। विद्यालय परिवार ने शोक-संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए ईश्वर से इस अहसनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।



नवप्रदेश/धनबाद। बरोरा थाना क्षेत्र के हरिणा कॉलोनी रोड में रविवार रात चोरों ने तीन जगहों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात चोरों ने प्रज्ञा केंद्र दुकान का एस्बेस्टस शेड तोड़कर अंदर घुसे और एक लैपटॉप व गल्ले में रखे करीब चार हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। बगल में स्थित अर्णव मोबाइल सेंटर में भी चोरी की कोशिश की गई। इधर, गोमो रोड स्थित सीमेंट दुकान के बाहर खड़ी पिकअप वैन का रिम सहित टायर भी चोरी हो गया। दुकानदार सूरज कुमार बरनवाल ने इसकी लिखित शिकायत बरोरा थाने में दी है। सोमवार सुबह प्रज्ञा केंद्र संचालक राजू साव के दुकान पहुंचने पर घटना का पता चला। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बरोरा पुलिस ने जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार रात में सुरक्षा के लिए नाइट गाइ तैनात रहते हैं, फिर भी चोरों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया है।



नवप्रदेश/बाघमारा। बरोरा थाना क्षेत्र के हरिणा कॉलोनी रोड में रविवार रात चोरों ने तीन जगहों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। अज्ञात चोरों ने प्रज्ञा केंद्र दुकान का एस्बेस्टस शेड तोड़कर अंदर घुसे और एक लैपटॉप व गल्ले में रखे करीब चार हजार रुपये नकद लेकर फरार हो गए। बगल में स्थित अर्णव मोबाइल सेंटर में भी चोरी की कोशिश की गई। इधर, गोमो रोड स्थित सीमेंट दुकान के बाहर खड़ी पिकअप वैन का रिम सहित टायर भी चोरी हो गया। दुकानदार सूरज कुमार बरनवाल ने इसकी लिखित शिकायत बरोरा थाने में दी है। सोमवार सुबह प्रज्ञा केंद्र संचालक राजू साव के दुकान पहुंचने पर घटना का पता चला। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बरोरा पुलिस ने जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार रात में सुरक्षा के लिए नाइट गाइ तैनात रहते हैं, फिर भी चोरों ने बेखौफ होकर वारदात को अंजाम दिया है।

मध्यस्थता ३.० को लेकर ढांगी पंचायत में

नुक्कड़ नाटक, ग्रामीणों को किया जागरूक



नवप्रदेश/बाघमारा। जिला जनसंपर्क कार्यालय धनबाद के निर्देश और डालसा धनबाद के तत्वावधान में चल रहे राष्ट्र के लिए मध्यस्थता ३.० अभियान के तहत सोमवार को तोपचांची प्रखंड की ढांगी पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।झारखंडी लोक सेवा संस्थान के कलाकारों ने महदौर और रोआम गांव में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मध्यस्थता के महत्व और कानूनी जानकारी को ग्रामीणों तक पहुंचाया।कार्यक्रम में कालीचरण रजवार, उत्तम कुमार, गौतम कुमार, नवीन कुमार, जया कुमारी, राहुल कुमार, प्रिया कुमारी, जगदीश महतो समेत संस्थान के कलाकारों ने प्रस्तुति दी।

धनबाद में अब अपोलो कोलकाता के सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की ओपीडी

नवप्रदेश/धनबाद। शहर के मरीजों के लिए अच्छी खबर है। अब गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए कोलकाता का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अपोलो मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल्स, कोलकाता ने कैलाश हॉस्पिटल, धनबाद के साथ मिलकर सुपर स्पेशलिटी ओपीडी की शुरुआत की है।इस नई सुविधा के शुरू होने से धनबाद, बोकारो, गिरिडीह और आसपास के जिलों के लोगों को अपने शहर में ही देश के नामी विशेषज्ञों से राय मिल सकेगी। खासकर हृदय रोग, कैंसर और पेट से जुड़ी जटिल बीमारियों में शुरुआती जांच और सही मार्गदर्शन अब स्थानीय स्तर पर ही संभव होगा। नई ओपीडी में कार्डियोलॉजी, कार्डियक सर्जरी, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी, न्यूरोलजी, पल्मोनोलॉजी, यूरोलॉजी, मेंडिक्ल ऑन्कोलॉजी, हेड एंड नेक कैंसर, गायनी ऑन्कोलॉजी और रोबोटिक सर्जरी जैसी दस प्रमुख विशेषज्ञताओं में परामर्श दिया जाएगा।शुभारंभ के मौके पर आयोजित प्रेस वार्ता में कैलाश हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. आशीष बजाज और डॉ. नेहा बजाज मौजूद रहे। अपोलो कोलकाता से सौमियर कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सौजाल्य चक्रवर्ती, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉ. देबज्योति चक्रवर्ती, हेड एंड नेक कैंसर विशेषज्ञ डॉ. धीरेन्द्र कुमार राय और गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. मोनिका मीणा ने भी हिस्सा लिया।विशेषज्ञों ने कहा कि गंभीर रोगों में समय पर सलाह से जान बचती है। यह पहल मरीजों को शुरुआती स्टेज में ही सही इलाज की दिशा दिखाएगी। जल्दत पड़ने पर मरीजों को रोबोटिक सर्जरी समेत एडवांस ट्रीटमेंट के लिए उचित रेफरल और गाइडेंस भी दी जाएगी।

बैंक ऑफ इंडिया ने स्थापना दिवस पर लगाया स्वास्थ्य शिविर, १२८ लोगों की हुई जांच

नवप्रदेश/धनबाद। अपने १२१वें स्थापना दिवस के मौके पर बैंक ऑफ इंडिया की सरायढेला शाखा ने सोमवार को सामाजिक पहल की। शाखा परिसर में पाटलीपुत्र हॉस्पिटल, जौड़फाटक रोड के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया।शिविर में सुबह से ही ग्राहकों और आसपास के लोगों की भीड़ रही। अस्पताल की मेडिकल टीम ने लोगों के रक्तचाप, ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल, पल्स रेट, ऑक्सीजन सेचुरेशन और आंखों की जांच की। साथ ही फिजिशियन द्वारा निःशुल्क परामर्श भी दिया गया। इस दौरान कुल १२८ लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया। जांच में जिन लोगों में किसी तरह की समस्या मिली, उन्हें बेहतर इलाज के लिए पाटलीपुत्र हॉस्पिटल में संपर्क करने की सलाह दी गई।मौके पर सरायढेला शाखा प्रबंधक गौरव कुमार, निवा बृपा के प्रतीक कुमार मौजूद रहे। मेडिकल टीम में डॉ. मुक्ति किशोर, नेत्र विभाग से प्रशांतो मंडल, मल्लिका, पल्लवी के अलावा नर्सिंग स्टाफ के आमिर, नितेश, गौरी, अलका, देवीलाल और रवि चौरसिया शामिल थे। बैंक की इस पहल को स्थानीय लोगों ने सराहा।

बोकारो: डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-४ में दिवंगत मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, दो मिनट का मौन रख जताया शोक



एक नजर

पप्पू सिंह बने राजपूत विचार मंच के केंद्रीय प्रवक्ता, संरक्षक पीएन सिंह और अध्यक्ष डीएन सिंह ने दी नियुक्ति

नवप्रदेश/धनबाद। राजपूत विचार मंच ने संगठन का विस्तार करते हुए धनबाद जिले के पप्पू सिंह को केंद्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया है। संगठन के संरक्षक एवं पूर्व सांसद पशुपतिनाथ सिंह और केंद्रीय अध्यक्ष डीएन सिंह की सहमति से यह नियुक्ति की गई है। राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा जारी पत्र में पप्पू सिंह को केंद्रीय प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी गई है।संगठन ने बताया कि पप्पू सिंह लंबे समय से राजपूत समाज के उत्थान और सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं।उनकी सक्रियता,निष्ठा और समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। अब वे राष्ट्रीय मीडिया में संगठन का पक्ष रखेंगे और संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। नियुक्ति पर पप्पू सिंह ने संरक्षक पीएन सिंह और केंद्रीय अध्यक्ष डीएन सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जो भरोसा मुझ पर जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। राजपूत समाज की एकता, स्वाभिमान और हक की लड़ाई को और मजबूती से लड़ूंगा। उनकी नियुक्ति पर धनबाद सहित झारखंड-बिहार के कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। सभी ने बधाई दी है।

श्रमिकों की अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं - सिद्धार्थ गौतम

नवप्रदेश/बाघमारा। बीसीसीएल बरोरा एरिया वन के क्षेत्रीय कार्यालय में सोमवार को जहात मजदूर संघ के महामंत्री सिद्धार्थ गौतम और बीसीसीएल प्रबंधन के बीच वार्ता हुई। बैठक में श्रमिकों की २७ सूत्री लंबित मांगों पर चर्चा की गई। वार्ता के दौरान सिद्धार्थ गौतम ने महाप्रबंधक केके सिंह के समक्ष मांगों पर कार्रवाई नहीं होने को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि प्रबंधन को सभी श्रमिकों को समान नजर से देखना चाहिए, चाहे वह किसी भी यूनिउन से जुड़े हों। बैठक में एम्पप्री कोलियरी मुराईडीह, दामोदा कोलियरी और बेनीडीह खदान में कार्यरत कर्मियों के प्रमोशन, रेगुलराइजेशन, मुराईडीह सहित अन्य श्रमिक कॉलोनियों में पेयजल की स्थायी व्यवस्था, आवास परमत्त के लिए फंड, आसपास के गांवों में बिजली आपूर्ति, रीजनल अस्पताल दुमरा में विस्थापितों और ग्रामीणों के लिए निःशुल्क इलाज, एमडीओ लागू नहीं करने, स्थानीय लोगों को रोजगार और बंद पड़ी मधुवन कोलियरी को विभागीय रूप से पुनः चालू करना समेत अनेक मुद्दों पर चर्चा हुई। महाप्रबंधक केके सिंह ने एक से डेढ़ माह के भीतर सभी मामलों पर सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। वहीं सिद्धार्थ गौतम ने चेतावनी देते हुए कहा कि मुराईडीह बस्ती में जिन घरों की बिजली काटी गई है, उसे अविलंब बहाल किया जाए। वार्ता में प्रबंधन की ओर से क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक विनय सिंह, अपर महाप्रबंधक टीएस चौहान, एचआर प्रबंधक सोरभ कुमार, चांदनी सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। संघ की ओर से मंगल हेंब्रम, महेश श्रीवास्तव, सोनू सिंह, संतोष सिंह, परमेश्वर भुइयां समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धनबाद स्टेशन से चोरी बाइक दुमरा में बरामद, टेंपो से टकराने के बाद भागा कोरा

नवप्रदेश/बाघमारा। धनबाद रेलवे स्टेशन से चोरी हुई मोटरसाइकिल को बरोरा पुलिस ने सोमवार दोपहर दुमरा में बरामद किया है। जाचकारी के अनुसार पासल विभाग के कर्मचारी हरी तिवारी का पुत्र रविवार दोपहर करीब दो बजे अपने पिता को रिसीव करने धनबाद स्टेशन गया था। उसने बाइक पुराना बाजार की ओर सात नंबर प्लेटफॉर्म के पास पार्किंग में खड़ी की थी। लौटने पर बाइक गायब मिली।। काफी खोजबीन के बाद भी पता नहीं चला तो सोमवार सुबह बैंकमोड़ थाने में चोरी की लिखित शिकायत दी गई। दूसरी ओर चोरी के बाद भागने के क्रम में दुमरा राजा चौक के पास बाइक सवार की टेंपो से टक्कर हो गई। वह गिरकर घायल हो गया। मौके पर भीड़ जुटने पर वह इलाज कराने के बहाने दूसरे बाइक पर बैठकर फरार हो गया। सड़क हादसे की सूचना पर बरोरा पुलिस मौके पर पहुंची। घायल युवक की तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। पुलिस ने बाइक की डिस्क्री के बराबर के आधार पर मालिक से संपर्क किया तो चोरी की पुष्टि हुई। बरोरा थाने के एएसआई लालचंद राम की तत्परता से बाइक बरामद कर ली गई है। पुलिस ने वाहन जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है और फरार चोर की तलाश की जा रही है।

बिजली-पानी संकट को लेकर विधायक ने बीसीसीएल जीएम से की वार्ता

नवप्रदेश/बाघमारा। विधायक शत्रुघ्न महतो ने बरोरा क्षेत्र के जीएम के-के सिंह से मुलाकात कर जामुआटांड और आसपास के क्षेत्रों में बिजली-पानी के संकट का मुद्दा उठाया। उन्होंने अनियमित बिजली कटौती बंद कर निर्बाध आपूर्ति, खनन से घटे जलस्तर के कारण पेयजल संकट दूर करने के लिए टैंकर से पानी व सुचारू जलापूर्ति, स्थानीय युवाओं को रोजगार, ट्रूथुण निबंधन और ग्रामीण-प्रबंधन विवादों के त्वरित समाधान की मांग रखी। विधायक ने कहा कि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रखा जाए।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर आयोजित हुआ शोक सभा

नवप्रदेश/महुदा : स्वामी रामकृष्ण परमहंस शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय दुध्या बोकारो में दिवंगत सुदिव्य कुमार सोनू, मंत्री उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग झारखंड के असांमयिक निधन पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखा गया। महाविद्यालय के सचिव शंकर प्रसाद स्वर्णकार ने कहा कि सोनू का इस प्रकार हृदयाघात से असांमयिक निधन काफी हीं दुखदाई और मर्महत करने वाली खबर है। भगवान उनकी आत्मा की शांति प्रदान करें और अपने पश्चात् में स्थान दें साथ ही उनके परिवार को इस दुःख को सहने की शक्ति प्रदान करें। उन्होंने कहा कि श्री सोनू व्यक्तित्म जीवन एक जिंदादिल ईमान थे, हंसमुख और मिलनसार । इन्होंने कम समय में हीं सार्वजनिक जीवन में एक अमिट छाप छोड़ी है।इस शोक सभा में महाविद्यालय के प्रशासनिक पदाधिकारी पूनम प्रसाद ने भी अपनी शोक संवेदना व्यक्त किया उनके साथ सहायक प्राध्यापक जयश्री साह, सोमनाथ बाउरी, सच्चिदा कुमार, बेबी कुमारी, शशांक कुमार,दीपक कुमार पॉल, अमरेंद्र कुमार, रितिका कुमारी, पुष्पा कुमारी आदि ने भी अपनी संवेदना व्यक्त किया।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू को झामुमो चास नगर समिति ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

बोकारो। झारखंड सरकार के लोकप्रिय मंत्री एवं झामुमो के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार सोनू के आकस्मिक निधन पर सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) चास नगर समिति की ओर से शोकसभा आयोजित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन चास के कुंवर सिंह कॉलोनी स्थित नगर उपाध्यक्ष बम पाण्डेय के आवासीय कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दिवंगत मंत्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान माहौल पूरी तरह गमगीन रहा। उपस्थित लोगों ने सुदिव्य कुमार सोनू के निधन को झारखंड की राजनीति और राज्य के लिए अपूरणीय क्षति बताया। कार्यक्रम का संचालन झामुमो चास नगर समिति के नगर सचिव भागीरथ शर्मा ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित झामुमो बोकारो महानगर के उपाध्यक्ष संजय केजरीवाल ने कहा कि मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू का आकस्मिक निधन अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। उनके निधन से झारखंड ने एक कर्मठ, जुझारू और जनहित के प्रति समर्पित जनप्रतिनिधि को खो दिया है। उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनता के लिए यह बेहद दुखद घड़ी है। शोकसभा में चास प्रखंड अध्यक्ष रामदासल सिंह, नगर उपाध्यक्ष बम पाण्डेय, रवि सिंह, दुर्गा दत्ता, शिंदू पासवान, अभिषेक पाण्डेय, सुनील सिंह, दीपक बंजल, परंकर सुमन, पंकज सिंह, राज माहथा, प्रकाश शर्मा, मनु सिन्हा, अनिता देवी, गौरी देवी, मीना देवी, कपूरा देवी, मरियम देवी, सफलता देवी, रेखा देवी, तोपु देवी, मंजू देवी, विशाखा देवी, प्रतिभा देवी, लक्ष्मी देवी, नरेश देवान, राजकुमार प्रमाणिक, मो. देहबूब सहित झामुमो के सैकड़ों कार्यकर्ता एवं समर्थक उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में दिवंगत मंत्री के निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदना प्रकट की।

सुदिव्य कुमार सोनू के निधन पर श्री महेश एकेडमी में शोकसभा, नम आंखों से दी श्रद्धांजलि

नवप्रदेश/डोमचांच। झारखंड के हेमंत सोरेन सरकार के शिक्षा सहित अनेक विभागों के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू (56 वर्ष) के आकस्मिक निधन से श्री महेश एकेडमी, डोमचांच में शोक की लहर फैल गई. सोमवार को श्री महेश एकेडमी,डोमचांच के शिक्षक. शिक्षिकाओं एवं छात्र.



नीमडीह में नई आरटीआई कमेटी गठित

नवप्रदेश/चांडिल। आदरडीह पंचायत भवन में रविवार को केन्द्रीय कमेटी के निदेश पर आरटीआई संघ की नई कमेटी का गठन किया गया। बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय समिति सदस्य सुशेन गोप ने की। सर्वसम्मति से राधेश्याम कर्मकार को अध्यक्ष, नीलकमल गोप को उपाध्यक्ष, मदन महतो को सह-उपाध्यक्ष और गंगाधर सिंह को सचिव चुना गया। नवनिर्वाचित पनधिकारियों ने सूचना के अधिकार के माध्यम से लोगों को न्याय दिलाने और भ्रष्टाचार के खिलाफ सक्रिय भूमिका निभाने की बात कही।

वज्रपात की चपेट में आने से दो महिलाओं की मौत, तीन घायल

नवप्रदेश/ईचागढ़। तिरुलडीह थाना क्षेत्र के पांडु गांव में सोमवार को खेत में काम कर रही पांच महिलाएं आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। हादसे में सोनमनी महतो और मुक्ता महतो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन महिलाएं घायल हो गईं। ग्रामीणों ने घायलों को तिरुलडीह अस्पताल पहुंचाया, जहां से उन्हें पातकुम अस्पताल रेफर किया गया। घटना की सूचना पर पुलिस और जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। जिला परिषद उपाध्यक्ष मधुश्री महतो ने पीड़ित परिवारों को सरकारी प्रावधान के तहत मुआवजा दिलाने की मांग की और लोगों से वज्रपात के दौरान सावधानी बरतने की अपील की।

चांडिल डैम विस्थापितों की संवाद यात्रा शुरू

नवप्रदेश/ईचागढ़। चांडिल डैम विस्थापित समन्वय मंच की संवाद यात्रा सोमवार को जारगोडीह गांव से शुरू हुई। मंच के सदस्यों ने जारगोडीह समेत बामूनडीह, पोईलौंग, चोगा, आदरडीह और सोड्रो में नुककड़ सभाएं कर विस्थापितों की समस्याओं और अधिकारों पर चर्चा की। श्यामल माडीं ने विस्थापितों के अधिकारों की लड़ाई को एकजुट होकर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। मंच ने कहा कि यात्रा के माध्यम से प्रभावित गांवों में पहुंचकर आंदोलन की आगामी रणनीति से लोगों को अवगत कराया जाएगा।

शांखा नदी में अवैध बालू खनन का आरोप

नवप्रदेश/चांडिल। नीमडीह प्रखंड की शांखा नदी में एनजीटी की रोक के बावजूद रात में कथित अवैध बालू खनन और परिवहन किए जाने का आरोप ग्रामीणों ने लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार, शाम होते ही नदी घाटों पर ट्रैक्टरों की आवाजही बढ़ जाती है। इससे नदी के प्राकृतिक स्वरूप और पर्यावरण को नुकसान पहुंचने की आशंका है। ग्रामीणों ने प्रशासन से नदी घाटों पर नियमित निगरानी, रात्रि गश्ती और अवैध खनन में लगे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

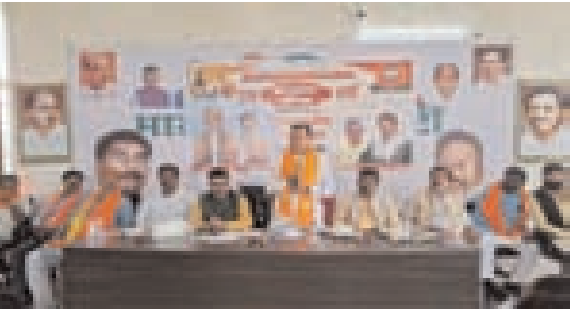
लूटकांड के छह आरोपी हथियार के साथ गिरफ्तार

नवप्रदेश/चांडिल। चौका थाना क्षेत्र में हुई लूट और लूट के प्रयास की घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से तीन पिस्टल, एक गोली, चाकू, हथौड़ी, दाउली, तीन बाइक और सात मोबाइल बरामद किए। एसपी मनोज स्वर्गियारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बंद प्राथमिक विद्यालय में छापेमारी कर आरोपियों को पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

झामुमो नेता दशमत माडीं के निधन पर शोक

नवप्रदेश/सरायकेला। राजनगर के आमलाटोला निवासी झामुमो केन्द्रीय सदस्य दशमत माडीं के आकस्मिक निधन पर पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने शोक व्यक्त किया। पूर्व प्रत्याशी सह केन्द्रीय सदस्य गणेश महाली ने अंतिम संस्कार में शामिल होकर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दशमत माडीं को समर्पित और संघर्षशील कार्यकर्ता बताते हुए उनके निधन को पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक भाजपा का सेवा संकल्प अभियान



नवप्रदेश/सरायकेला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भाजपा सरायकेला-खरसावां जिला कार्यालय में कार्यशाला आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष हरकृष्ण प्रधान की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिनेशानंद गोस्वामी ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक द्दसैवा संकल्प अभियानह्नु चलाया जाएगा। अभियान के तहत गांव, पंचायत और बूथ स्तर पर केंद्र सरकार की योजनाओं और सेवा कार्यों की जानकारी लोगों तक पहुंचाई जाएगी।

भव्य भंडारे में उमड़ा आस्था का सैलाब, हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया महाप्रसाद

नव प्रदेश संवाददाता कोडरमा। जिला के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत धरगांव पंचायत के राजनगर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी सह अखंड संकीर्तन के उपलक्ष में सार्वजनिक पूजा समिति के द्वारा भव्य भंडारा का आयोजन हुआ. भंडारा में धरगांव, फुलवरिया,पुरनाडीह, खरखार, नवाडीह, बेहराडीह, मसनोडीह डोमचांच, महेशपुर, बच्छेडीह के साथ डोमचांच, मरकच्चो जयनगर चंदवारा सतगावां, कोडरमा प्रखंड के विभिन्न पंचायत के श्रद्धालु भक्त भंडारा में भाग लिए.भंडारा में



तेज रफ्तार कंटेनर ने पिता-पुत्र को कुचला, बेटे की मौत

महुदी-बारा कट के समीप हादसे के बाद ग्रामीणों ने जीटी रोड किया

जाम, सुरक्षा व्यवस्था की मांग

नवप्रदेश/चौपारण। सोमवार को जीटी रोड स्थित महुदी-बारा कट के समीप तेज रफ्तार कंटेनर ने पैदल जा रहे पिता-पुत्र को पीछे से अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में



छात्राओं ने उनके चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके प्रति भावपूर्ण अश्रु सहित सम्मान व्यक्त किया. उनकी जीवनी पर चर्चा की गई और अंत में 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शोक सभा किया गया. शोक सभा में निदेशक सुनील कुमार सिन्हा,प्राचार्या रीना



विधानसभा की अध्यक्ष सुस्मा पाढ़ी, छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, केरल की मंत्री बिंदु कृष्णा एवं के. ए. तुलसी, हरियाणा के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री राजेश नागर, पश्चिम बंगाल की राज्य मंत्री कलित माझी तथा एनसीडब्ल्यू की सदस्य

दाराद,वरिष्ठ शिक्षक मोहनलाल पाण्डेय, मुकुल कुमार, नकुल पाण्डेय,शुभम कुमार सिंह, संजय कुमार, रीशन कुमार, सोफाली कुमारी, सपना गुप्ता, निशा कुमारी, सौरभ कुमार, रिया गुप्ता, मधु कुमारी, साक्षी कुमारी, राधिका गुप्ता सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए

She's a Chnge Maker’ कार्यक्रम में विधायक डॉ. नीरा यादव की हुई भागीदारी

प्राभावी भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में 22 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की महिला विधायक एवं महिला जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के पहले दिन महिला नेतृत्व, राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी और जेंडर रिसॉर्नसिव गवर्नेंस को लेकर व्यापक चर्चा हुई। झारखंड की तीनों महिला विधायकों की भागीदारी ने राष्ट्रीय मंच पर राज्य की महिला राजनीतिक नेतृत्व की मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम में नेताओं की मौजूदगी ने महिला नेतृत्व को मजबूत करने और शासन व्यवस्था को संवेदनशील बनाने के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सीबीएसई क्लस्टर खो-खो चैंपियनशिप में ग्गिजली विद्यालय की अंडर. 14 टीम ने जीता कांस्य पदक

शानदार प्रदर्शन से खिलाड़ियों ने बढ़ाया विद्यालय का गौरव

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा।

तिलैया डैम स्थित ग्गिजली विद्यालय की अंडर. 14 बालक खो-खो टीम ने सीबीएसई क्लस्टर खो-खो चैंपियनशिप 2026. 27 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। प्रतिযোগिता के दौरान विद्यालय के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल, अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना एवं संघर्षशीलता का परिचय दिया। पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने कठिन मुक़ाबलों का सामना करते हुए एकजुटता और सामूहिक प्रयास के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम की इस उपलब्धि में खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत, नियमित अभ्यास एवं हृदय संकल्प के साथ-साथ प्रशिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन का मार्गदर्शन एवं सहयोग महत्वपूर्ण रहा। कांस्य पदक प्राप्त करने वाली टीम में नितेश कुमार, रिंकल रॉय, विक्रम कुमार, विकास कुमार, शिवम कुमार, पीयूष रंजन, सोम राज पाज, हिमांशु कुमार,



लक्ष्य राज, आदर्श कुमार, कौशल मंडेल एवं आयुष कुमार शामिल रहे। टीम के कोच सुनील कुमार साव एवं मैनेजर बांबी आनंद ने खिलाड़ियों की तैयारी, रणनीति एवं प्रतियोगिता के दौरान उनके मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने संयुक्त रूप से टीम को बधाई देते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, धैर्य एवं चुनौतियों का सामना

करने की क्षमता विकसित होती है। उन्होंने कहा कि टीम की यह उपलब्धि खिलाड़ियों की मेहनत, निरंतर अभ्यास और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने खिलाड़ियों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए और अधिक मेहनत करने तथा उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की इस उपलब्धि पर समन्वयक विजय कुमार सिंह, जितेंद्र चौधरी, बी.डी. नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, शिल्पी भदानी, बनानी नोगी, सुधांशु कुमार, एकता कुमारी एवं स्पोर्ट्स कोऑर्डिनेटर प्रीतम हरि सहित

समस्त शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने टीम के सभी खिलाड़ियों, कोच सुनील कुमार साव एवं मैनेजर बांबी आनंद को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासन एवं खेल भावना की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने विश्वास व्यक्त किया कि ग्गिजली विद्यालय के ये युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, मेहनत, अनुशासन एवं हृदय संकल्प के बल पर आगामी प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय

चोरी के संदेह में ग्रामीणों ने तीन युवकों को पकड़ा, पुलिस को सौंपा

मोबाइल दुकान के सामान व इनवर्टर बैटरी बरामद होने की सूचना, पुलिस कर रही पूछताछ

नवप्रदेश/चौपारण। चौपारण थाना

क्षेत्र के सेल्हारा गांव में ग्रामीणों ने चोरी के संदेह में तीन युवकों को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पकड़े गए युवकों की पहचान छोटका सेल्हारा निवासी पिंटू यादव एवं सोनू यादव तथा बरसोत पंचायत के कोरियाडीह निवासी मंदू कुशवाहा के रूप में बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, बीते दिनों सेल्हारा समेत चौपारण प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में चोरी की कई घटनाएं सामने आई हैं। इसी बीच ग्रामीणों ने संदेह के आधार पर तीनों युवकों को पकड़ लिया और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि युवकों के



पास से मोबाइल दुकान के कई सामान और इनवर्टर की बैटरी बरामद होने की सूचना है। पुलिस बरामद सामानों की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इन सामानों का संबंध क्षेत्र में हुई पूर्व की चोरी की घटनाओं से है या नहीं।थाना प्रभारी पंकज कुमार के नेतृत्व में पुलिस मामले की जांच में जुटी है। पूछताछ के आधार पर चोरी की अन्य घटनाओं से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिलने की संभावना जताई जा रही है। खबर लिखे जाने तक तीनों युवकों के खिलाफ अग्रेतर कार्रवाई की प्रक्रिया जारी थी। पुलिस की जांच और आधिकारिक पुष्टि के बाद ही पूरे मामले का विस्तृत खुलासा हो सकेगा।

एक नजर

सुदिव्य सोनू एक कुशल राजनीतिज्ञ के साथ-साथ प्रखर समाजसेवी थे : जेपी पटेल

सुदिव्य सोनू के निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी पूर्ति तत्काल संभव नहीं : निसार खान



नवप्रदेश/हजारीबाग : नगर विकास,

आवास, पर्यटन, कला-संस्कृति, युवा

कार्य तथा उच्च एवं तकनिकी शिक्षा

झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार

सोनू के आकस्मिक निधन पर पूर्व झारखंड सरकार के मंत्री सह जिला कांग्रेस के अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल तथा जिला कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष निसार खान ने गहरा शोक व्यक्त किया है। नेता द्वय ने अपने शोक संदेश में कहा है कि सुदिव्य कुमार सोनू एक कुशल राजनीतिज्ञ के साथ-साथ एक प्रखर समाजसेवी थे। वे मृदुभाषी, दयावान तथा मिलनसार व्यक्तित्व प्रतिभा के धनी थे। उनके निधन से सम्पूर्ण झारखंड की जो क्षति हुई है उसकी पूर्ति तत्काल संभव नहीं। नेता द्वय ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा इस कठीन घड़ी में उनके परिजनों को धैर्य व सहन शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

जन्माष्टमी पर निकली भव्य जुलूस यात्रा, मटका

फोड़ कार्यक्रम में छोटे बच्चों ने दिखाया उत्साह



नवप्रदेश/सतगावां। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर सतगावां प्रखंड में भव्य जुलूस यात्रा निकाली गई।जुलूस के दौरान विभिन्न चौक-चौराहों पर मटका फोड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान नरायडीह के युवाओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और बासोडीह के बीच बाजार में मटका फोड़ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने रात में अपनी प्रतिभा, धैर्य और अनुशासन का शानदार परिचय दिया। बच्चों के उत्साह और बेहतर प्रदर्शन से प्रभावित होकर जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि धनंजय यादव ने सभी बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान बच्चों ने अपनी कुछ मीठी भी रखी, जिसे धनंजय यादव ने पुरा करने का आश्वासन दिया। पुरस्कार मिलने से बच्चों में काफी उत्साह देखने को मिला।जन्माष्टमी के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम ने लोगों का मन मोह लिया

प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव ने चार योजनाओं का किया उद्घाटन



नव प्रदेश संवाददाता/डोमचांच। प्रखंड अंतर्गत ग्राम कराखुट में 15वें वित्त आयोग मद से पूर्ण कराई गई चार जनउपयोगी योजनाओं का उद्घाटन प्रखंड प्रमुख डॉ. सत्यनारायण यादव ने किया। उन्होंने पश्चिम टोला सरकारी मैदान में चबूतरा निर्माण, कराखुट सरकारी विद्यालय के समीप जलमीनार, पश्चिम टोला में जलमीनार तथा शिव मंदिर के पास पावर स्ट्रीट लाइट का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने योजनाओं के पूर्ण होने पर खुशी जताते हुए प्रखंड प्रमुख के प्रति आभार व्यक्त किया। ग्रामीणों ने क्षेत्र में दो और जनउपयोगी योजनाओं की आवश्यकता से प्रमुख को अवगत कराया। इस पर डॉ. सत्यनारायण यादव ने आश्वासन दिया कि जनहित से जुड़ी इन योजनाओं को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। मौके पर अंगलाल राम, नरेश राम, मुन्ना यादव, रवि कुमार रजक, विनोद राम, अजय कुमार, सुभाष यादव, पवन यादव, वासुदेव राम, राहुल कुमार यादव, संदीप कुमार यादव, मनोज रजक समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

121 साल का गौरवपूर्ण सफर, बैंक ऑफ इंडिया ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस



नव प्रदेश संवाददाता/सतगावां। प्रखंड स्थित बैंक ऑफ इंडिया की सतगावां एवं बासोडीह शाखा में सोमवार को बैंक का 121वां स्थापना दिवस धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सतगावां शाखा को बैलून एवं फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया।संध्या में शाखा उप प्रबंधक एवं बैंक कर्मचारियों की उपस्थिति में केक काटकर स्थापना दिवस मनाया गया।कार्यक्रम के पूर्व बैंक में लेनदेन के लिए पहुंचे ग्राहकों के बीच मिठाइयां एवं चॉकलेट वितरित की गईं। इस दौरान शाखा उप प्रबंधक संदीप कुमार ने बैंक कर्मचारियों एवं ग्राहकों को संबोधित करते हुए कहा कि बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना 7 सितंबर 1906 को महाराष्ट्र में हुई थी।उस समय देश में बैंक की मात्र एक शाखा थी, जिसमें करीब 50 कर्मचारी कार्यरत थे। आज बैंक ऑफ इंडिया की देशभर में 5534 शाखाएं संचालित हैं और लगभग 52 हजार कर्मचारी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।उन्होंने कहा कि 121 वर्षों के सफर में बैंक ऑफ इंडिया ने लगातार प्रगति की है। कर्मचारियों की सेवा भावना, मेहनत और ईमानदारी के कारण बैंक ने देशभर में अपनी मजबूत पहचान बनाई है।उन्होंने ग्राहकों के विश्वास को बैंक की सबसे बड़ी पूंजी बताया।वहीं ग्राहकों ने भी बैंक ऑफ इंडिया के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि सतगावां जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्र में बैंक लगातार बेहतर सेवाएं प्रदान कर रहा है,जिससे स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिल रही है।कार्यक्रम में कैशियर योगेंद्र कुमार, मकसूद आलम, मिथुन कुमार, मुन्ना कुमार, विनय शंकर वैद्य, सुमित्रा देवी, चंदन पांडेय, रोहित कुमार, अजीत भागत,अनिल कुमार गुप्ता, दिनेश कुमार समेत बैंक के कर्मचारी एवं ग्राहक मौजूद रहे।



बच्चों के मन में बाढ़ का डर

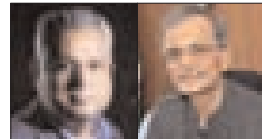
नेपाल में बाढ़ का पानी भले उतरने लगा हो, लेकिन इस आपदा का असली असर अब दिखाई देना शुरू हुआ है। मौत और लापता लोगों की बढ़ती संख्या के बीच हजारों परिवारों की जिंदगी उजड़ गई है। सबसे गंभीर चिंता उन बच्चों को लेकर है, जिन्होंने अपनी आंखों के सामने तबाही देखी, अपनों को खोया या कई घंटे तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष किया। उनके लिए बाढ़ का पानी उतर जाना आपदा का अंत नहीं है। रसुवा, नुवाकोट और धादिंग्र के 19 स्कूलों के 6,901 छात्र प्रभावित हुए हैं और 622 छात्र अब भी लापता बताए जा रहे हैं। कुछ बच्चे तो कई घंटे या कई दिन बाद मलबे से निकाले गए। ऐसे अनुभव उनके मन पर गहरी छाप छोड़ सकते हैं। आपदा के बाद बच्चों में नौद न आना, अचानक डर जाना, रिल की धड़कन तेज होना, पसीना आना और बेचैनी जैसे लक्षण सामान्य हो सकते हैं। लेकिन यदि ये लंबे समय तक बने रहें तो चिंता, अवसाद और मानसिक आघात गंभीर रूप ले सकते हैं। इसलिए राहत कार्य का अर्थ केवल भोजन, पानी और दवाइयां उपलब्ध कराना नहीं होना चाहिए। बच्चों को सुरक्षित माहौल, अपनापन और मनोवैज्ञानिक सहायता देना भी राहत अभियान का अनिवार्य हिस्सा होना चाहिए। राहत शिविरों में खेल, कहानी, चित्रकारी और सामूहिक गतिविधियों के जरिए बच्चों को सामान्य जीवन की ओर लौटाने के प्रयास उम्मीद जगाते हैं। ऐसे प्रयासों की अस्थायी राहत तक सीमित रखने के बजाय लंबे समय तक जारी रखने की जरूरत है। परिवारों, शिक्षकों, स्वयंसेवी संगठनों और स्वास्थ्यकर्मियों को मिलकर बच्चों की मानसिक स्थिति पर नजर रखनी होगी। एक और गंभीर खतरा उन बच्चों के सामने है, जिन्होंने अपने माता-पिता या अभिभावकों को खो दिया है। आपदा की परिस्थितियों में माता तर्करी, बाल मजदूरी, हिंसा और शोषण का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए ऐसे बच्चों की पहचान, पुनर्वास और संरक्षण की मजबूत व्यवस्था जरूरी है। सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और निजी जानकारी साझा करने से भी बचना चाहिए। नेपाल के सामने अब पुर्ननिर्माण की बड़ी चुनौती है। सड़कें, पुल, बिजली और घर फिर बनाए जा सकते हैं, लेकिन बच्चों के मन में बैठा डर केवल सरकारी आदेश से खत्म नहीं होगा। उन्हें समय, सुरक्षा, परिवार का साथ और संवेदनशील देखभाल चाहिए। बाढ़ का पानी उतर चुका है, लेकिन समीक्षा जैसे बच्चों के लिए 26 अगस्त अभी खत्म नहीं हुआ है। नेपाल की अस्थी पुनर्बहाली तभी पूरी होगी, जब मलबे के साथ-साथ बच्चों के मन में जमा भय भी हटेगा।

मुद्दा-लघु कथा

रोजगार का विकेंद्रीकरण समस्या का बड़ा हल

कुलभूषण उपमन्यु

भारतीय समाज को आमतौर पर कृषि प्रधान देश के रूप में परिभाषित किया जाता है, किंतु यह अर्थसत्य निकर्य है। असल में भारतीय समाज का बहुसंख्यक भाग दस्तकारी रहा है और वह कृषकों की जरूरतें पूरा करते हुए खाद्य पदार्थ सुरक्षा आनी मेहनत के बदले में प्राप्त करता था। तुहार, बढई, तेली, जुलाहा, चर्मकार, बांसोर, नाई, धोबी, पक्कर की मुर्तियां बनाने और विनाई का काम करने वाले, कच्ची ईंट बनाने वाले, धुमनू, पशुपालक, भेड़ो की ऊन निकालने वाले, बाग बढाई का काम करने वाले, रंगाई-छायाई करने वाले, वूटस स्ट्रील बनाने वाले और एक-एक पेशे से जुड़े हुए सहयोगी व्यवसाय करने वाले अंकल लोग रहते थे। ख़ एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते हुए आराम की जिंदगी जीते थे। कोई बेरोजगार नहीं था। यह व्यवस्था एक-दूसरे के सम्मान और स्वावलंब की सोच पर आधारित थी। बाकी बारीकियां जो भी रही हो हमें तो केवल यह देखना है कि देश कृषि के अलावा उत्पादक दस्तकारी पर ज्यादा निर्भर था। औद्योगिक क्रांति के बाद अंग्रेजी हुकूमत ने भारत की उत्पादक व्यवस्था को नष्ट करने का बीड़ा उठाया ताकि वह अपने देश के उद्योगों में बने उत्पादों को भारत में बेच सके। क्योंकि यहां के उत्पाद गुणवत्ता पूर्ण थे इसलिए उन्होंने साम, दाम, दंड, भेद से यह कार्य करने के रास्ते अपनाए। कहीं सामान में क्या छोटे मोटे मत्नबदों को हवा देकर, तो कहीं बुनकरों के हाथ के अंगुठ काट कर सीधी कारवाई करके, कहीं दस्तकारों को कच्चे माल की उपलब्धता को नियंत्रित करके स्वावलंबी अर्थव्यवस्था को तोड़ने का काम किया गया। इसी के चलते ज्यादातर दस्तकारी से बेदखल हुए लोगों को कृषि का रास्ता पकड़ना पड़ा। उसमें भी स्थायी बंदबस्त करके जागीरदारी प्था को कायम किया, जिससे बहुत से दस्तकारों को जागीरदारों के मजदूर काश्तकारों के रूप में जीवन यापन करना पड़ा, जिससे पूरा दिसगतिव्या और सामाजिक दृष्टा अन्याय दिन तक के सामने अनेक प्रत्यक्ष और परोक्ष समस्याएं खड़ी करती रहती है। अब जबकि देश की आबादी भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है तो इस औद्योगिक विस्तार के मॉडल से दस्तकार समाज की खोई हुई रोजी की भरपाई कैसे हो सकेगी, यह प्रश्न लगातार चिता को बढ़ाता ही जा रहा है। पढ़े- लिखे बच्चे पुरानी दस्तकारी तकनीकों को अपना कर वर्तमान विकसित तकनीक वाले उद्योगों से टक्कर नहीं ले सकते हैं। वर्तमान औद्योगिक मॉडल में रोजगार प्रदान करने की क्षमता बहुत सीमित है और स्वावलित और कुत्रिम वृद्धिमत्ता जैसे उपायों से कामगारों की जरूरत को लगातार घटाया जा रहा है। ऐसे में खेती में भी सबको रोजगार प्राप्त नहीं हो सकता, क्योंकि अधिकांश जोते इतनी छोटी हो चुकी हैं कि उन पर पूरे परिवार का पानन संभव ही नहीं है। वर्ततीय क्षेत्रों में तो हालात और भी ज्यादा खराब हैं, जहां 80 प्रतिशत जोते एक हेक्टेयर से भी छोटी हैं, जिनमें आधी तो 2-3 बीघा मात्र ही हैं। इतनी कम जमीन पर आदमी सम्मान प्रद ग़र बार तो बसा सकता है। इतनी जमीन तो हौनी ही चाहिए, किंतु समाजजातक आय खंड नहीं कर सकता। सरकारी नौकरी तो मात्र दो तीन प्रतिशत लोगों को ही स्थापित कर सकती है, तो वर्तमान सरकारी और निजी उद्योगों की नौकरी जिसमें आईटी क्षेत्र भी शामिल है, कृषि, पशुपालन की वर्तमान स्थिति के बावजूद भी जो बेरोजगारों की बड़ी संख्या इंतजार में खड़ी है और हर साल बढ़ती जा रही है। अनेक लिए जलाब दूढ़ने की जरूरत है। लोग नौकरी के इंतजार में आयु सीमा पार कर जाते हैं फिर हाताश हो कर जीवन जीने को बाध्य होते हैं। ये परिस्थितिया देश के लिए सही नहीं हैं। सरकार कोशिश करने के तमाम दावों के बावजूद जरूरत का दस प्रतिशत भी रोजगार खड़ा नहीं कर पा रही है। देश की अर्थव्यवस्था तो आगे बढ़ रही है, किंतु उस अनुपात में रोजगार नहीं बढ़ रहे। हिमालय प्रदेश का उद्वहरण ले तो बेरोजगारों की संख्या 6 लाख 32 हजार है, (3 मार्च 2025 तक) जबकि बहुत से लोग रोजगार कार्यालय में पंजीकरण को फिजल मान कर पंजीकरण ही नहीं किया रहे हैं। इसी के अलावा फिर असली आंकड़ा फिर भी ज्यादा होगा। हिमालय में पिछले तीन साल में सरकारी नौकरी 23 हजार 200 लोगों को दी गई। निजी क्षेत्र में 51 हजार को इस आयोजन में नौकरी मिली। अतः प्रतिवर्ष 24 हजार 733 लोगों को नौकरी मिली, तो इन्ह दस से 6 लाख 32 हजार लोगों को नौकरी मिलने में 25 वर्षों से ज्यादा लगा।



डॉ. सीरेश गर्ग और डॉ. वी. अनंत नागेशवरन

जो नियम आज लागू होता है, वही नियम पहले भी लागू होना चाहिए। यह सिद्धांत सही है। हमारी बस यही मांग है कि इसे पूरी तरह से लागू किया जाए। पिछले सालों के आंकड़े भी मौजूद हैं: जैसे घरेलू बचत, क्रेडिट में बढ़ोतरी, संसाधनों का प्रवाह, करों से होने वाली कमाई और निवेशकों का बढ़ता दायरा।



एमएल जाट व नवीन पी. सिंह

भारत की अपनी विस्तार पहल भी यह दिखाती है कि इस तरह के सहयोग को बड़े पैमाने पर व्यवहार में कैसे उतारा जा सकता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान 13.5 लाख से अधिक किसानों तक पहुंचा और अनुसंधान एवं नीतिगत ध्यान के लिए 500 से अधिक प्राथमिकता वाले मुद्दों की पहचान की। एक संबंधित आउटरीच पहल के तहत 728 जिलों में 1,34,000 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अलावा 6,650 से अधिक प्रशिक्षण सत्र और एक लाख से अधिक फील्ड प्रदर्शन किए गए।



डॉ. रमेश ठाकुर

बिल्डिंग्स का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं।

जब भारत और आसियान के 11 सदस्य देशों के अधिकारी और मंत्री नई दिल्ली में दो दिवसीय बैठक के लिए एकत्र हो रहे हैं, तो इस साझेदारी का वास्तविक सार किसी साझा विज्ञप्ति में नहीं, बल्कि 1992 से लगातार विकसित हुए अनुसंधान, प्रशिक्षण और जमीनी स्तर के कार्यक्रमों में निहित है। नई दिल्ली में 9 सितंबर को होने वाली कृषि एवं वानिकी पर 9वीं आसियान-भारत मंत्रिस्तरीय बैठक (एआईएमएमएएफ) एक स्थापित प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ेगी। मंत्रियों के विचारार्थ तकनीकी सिकाप्रिशों पर चर्चा और उन्हें अंतिम रूप देने के लिए कृषि एवं वानिकी पर 10वां आसियान-भारत कार्य समूह (एआईडब्ल्यूजीएएफ) एक दिन पहले बैठक करेगा। यह प्रक्रिया भले ही औपचारिक लगे, लेकिन 1992 में भारत-आसियान क्षेत्रीय सवाद शुरू होने के बाद विकसित हुए इस तंत्र ने तीन दशकों में क्या हासिल किया है, यह देखना अधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए यह बैठक केवल प्रगति की समीक्षा का अवसर नहीं है, बल्कि दीर्घकालिक सहयोग को पूरे क्षेत्र के किसानों की समृद्धि, आजीविका और खाद्य प्रणालियों के लिए टोस परिणामों में बदलने का भी अवसर है।

साझा कृषि वास्तविकताएं

भारत और आसियान के 11 सदस्य देश—जिनमें अक्टूबर 2025 में शामिल हुआ नया सदस्य तिमोर-लेस्ते भी है—आमर कृषि विविधता और विकास क्षमता वाले क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। आसियान के कृषि, वानिकी और मत्स्यपालन क्षेत्र लगभग 9.3 करोड़ नौकरियों को सहारा देते हैं, जबकि भारत के कृषि और संबद्ध क्षेत्र लगभग 46 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार प्रदान करते हैं। दोनों क्षेत्रों में खेत मुख्य रूप से छोटे और खंडित हैं। उत्पादन काफी हद तक मानसून पर निर्भर है तथा कई समान फसलें और पारिस्थितिकी तंत्र सीमाओं के पार फैले हुए हैं। इनमें धान, दालें, फल और मसालों के फल पशुधन, मत्स्यपालन, मँगोय और वन तक शामिल हैं। दोनों क्षेत्र जलवायु परिवर्तनशीलता, सीमा पार से आने वाले कीट-रोगों और कटाई के बाद होने वाले लगातार नुकसान के बढ़ते दबाव का भी सामना कर रहे हैं। ये समानताएं कृषि ज्ञान और प्रौद्योगिकियों को साझा करने के लिए अनुकूल आधार तैयार करती हैं। यही आधार हभभारत-आसियान मध्यम अवधि कार्य योजना 2026-2030हू के लिए भी महत्वपूर्ण है। यह योजना आसियान की नई हाथखा, कृषि और वानिकी क्षेत्रीय योजना 2026-2030हू तथा उसके छह रणनीतिक रस्मों—स्थिरता, डीकाबोईजेशन, खाद्य सुरक्षा, व्यापार कनेक्टिविटी, डिजिटल नवाचार और सतत वन प्रबंधन—के अनुरूप है।

भारत का तकनीकी आधार

इस साझेदारी में भारत का योगदान दुनिया की सबसे बड़ी सावजनिक विभाषीत कृषि अनुसंधान और विस्तार प्रणालियों में से एक पर आधारित है। इसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीआर) के तहत 114 अनुसंधान संस्थान एवं ब्यूरो, 80 कृषि विश्वविद्यालय और 731 जिला-स्तरीय विस्तार केंद्र यानी कृषि विज्ञान केंद्र शामिल हैं। पिछले 12 वर्षों में

अभिव्यक्ति

आसियान-भारत कृषि सहयोग के तीन दशक



इस नेटवर्क ने फसलों की 3,800 से अधिक किस्में जारी की हैं। इनमें करीब 3,100 किस्में विशेष रूप से जलवायु अनुकूलता को ध्यान में रखकर विकसित की गई हैं, जबकि लगभग 200 में बेहतर पोषण गुण हैं। इस व्यवस्था को राष्ट्रीय जीन बैंक का भी समर्थन प्राप्त है, जिसमें करीब 4.70 लाख प्रविष्टियां संरक्षित हैं। भारत के कृषि रूपांतरण का पैमाना उसके उत्पादन में हुई वृद्धि से भी दिखाई देता है। खाद्यान उत्पादन 2014-15 के लगभग 25.2 करोड़ टन से बढ़कर 2025-26 में अनुमानित 37.7 करोड़ टन हो गया है। इसी अवधि में दूध उत्पादन करीब 14.6 करोड़ टन से बढ़कर लगभग 24.8 करोड़ टन तक पहुंच गया है। मत्स्यपालन में उत्पादन पिछले दशक में लगभग दोगुना होकर करीब 2 करोड़ टन हो गया है, जो अनुमानित 3 करोड़ आजीविकाओं को सहारा देता है। इसके साथ ही 49 फिनफिश और शेलफिश प्रजातियों के लिए प्रौद्योगिकियां विकसित की गई हैं। यही वह विशेषज्ञता है जिसे भारत इस साझेदारी में लेकर आता है। यह किसी श्रेष्ठता के दावे के रूप में नहीं, बल्कि उन कृषि-पारिस्थितिक परिस्थितियों से विकसित हुआ टोस संसाधन आधार है, जो दक्षिण-पूर्व एशिया के अधिकांश हिस्सों से काफी मेल खाता है।

व्यावहारिक धरातल पर सहयोग

अनुसंधान अवसरचना से आगे बढ़कर इस साझेदारी का अधिक टोस योगदान मानव पूंजी के निर्माण और जमीनी स्तर के विस्तार को मजबूत करने में रहा है। आसियान-भारत फैलोशिप कार्यक्रम सदस्य देशों के छात्रों को प्रमुख भारतीय कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर अध्ययन का अवसर देता है। इससे वै क्षेत्रीय प्राथमिकताओं से जुड़े क्षेत्रों में अनुसंधान और विशेषज्ञता हासिल करते हैं। भारत की आानी विस्तार पहल भी यह दिखाती है कि इस तरह के सहयोग को बड़े पैमाने पर व्यवहार में कैसे उतारा जा सकता है। विकसित कृषि संकल्प अभियान 13.5 लाख से

अनुकूल कृषि; पशुधन, डेयरी एवं पशु स्वास्थ्य; मत्स्यपालन एवं नीली अर्थव्यवस्था; कटाई उपरांत प्रबंधन एवं मूल्य शृंखलाएं; तथा डिजिटल कृषि। इनमें से प्रत्येक क्षेत्र गहरें और व्यावहारिक जुड़ाव के लिए मजबूत आधार प्रदान करता है। अगला कदम मजबूत संस्थागत अनुवर्ती कार्रवाई होना चाहिए। इसके तहत आसियान की परिस्थितियों में तनाव-सहनशील फसल किस्मों के बहु-स्थानिक परीक्षण, कीट निगरानी के लिए व्यावहारिक संयुक्त प्रोटोकॉल और कटाई के बाद होने वाले नुकसान को मापने की समान पद्धतियां विकसित की जा सकती हैं। इससे विभिन्न देशों के बीच सार्थक तुलना संभव होगी।

मत्स्यपालन और वानिकी समुदाय, जिनकी आजीविका इन क्षेत्रों से जुड़े निर्णयों से सीधे प्रभावित होती है, विशेष रूप से ऐसे सहयोग से लाभान्वित हो सकते हैं, जो केवल अनुसंधान विनियम तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जमीनी सहायता तक पहुंचे।

साझेदारी का आकलन घोषणाओं से नहीं, परिणामों से हो

इसलिए 9वीं एआईएमएमएएफ का मूल्यांकन उसके संकल्प बयान की भाषा से नहीं, बल्कि बैठक के बाद होने वाली कार्रवाई से किया जाना चाहिए। भारत और आसियान में कृषि के विशाल पैमाने को देखते हुए असली परीक्षा यही होगी कि 2026-2030 की कार्य योजना के दौरान यह सहयोग कितने मापने योग्य परिणाम देता है।

इसके लिए कुछ टोस सवाल पूछने होंगे। आसियान की परिस्थितियों में भारत की कितनी फसल किस्मों का परीक्षण हुआ और कितनी अपनाई गई? आसियान फैलोशिप से निकले कितने छात्र अपने-अपने देशों की कृषि व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वापस लौटे? क्या संयुक्त कीट निगरानी और कटाई उपरांत प्रोटोकॉल केवल सहमत रूपरेखाओं तक सीमित रहे या नियमित व्यवहार का हिस्सा बने? क्या भारत के सफल विस्तार मॉडलों को आसियान के छोटे किसानों की अर्थव्यवस्था के अनुरूप साबक रूप से ढाला गया? इन सवालों के जवाब इस सप्ताह नई दिल्ली में तुरंत दिखाई नहीं देंगे। उनके परिणाम समय के साथ खेतों, प्रयोगशालाओं और संस्थानों में सामने आएंगे और अंततः 10वीं एआईएमएमएएफ में प्रस्तुत साक्ष्यों के जरिए इनका आकलन होगा। यही वह बिंदु होगा जहां इस साझेदारी की वास्तविक सफलता मापी जानी चाहिए—भारत और आसियान के किसानों तथा ग्रामीण समुदायों की आजीविका, लचीलापन, उत्पादकता और आय में हुए वास्तविक सुधार के आधार पर। (लेखक क्रमशः सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई) तथा महानिदेशक, आईसीएआर और सहायक महानिदेशक (अंतर्राष्ट्रीय संबंध), नई दिल्ली हैं। व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं।)

सत्य निकेतन हादसा : किराये के मकान में जीवन की कीमत कम



शोर जैसे ही शांत होगा, जांच-पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएगी। जर्मीदोज हुई इस बिल्डिंग में ज्यादातर युवा विश्व विद्यालय में पढ़ते थे या सिविल सर्विसेज की तैयारी कर रहे थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराये पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था, जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमागत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी। दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर इंडियन जियोटैक्निकल कॉन्फ्रेंस ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया गया कि 85 फीसदी पीजी रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हूकूमत ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया। आरोप है कि दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के

लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरबन घर पीजी में तब्दील हैं। पीजी के नाम पर बड़ा नेक्सा उस इलाके में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबान बने रहें। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमगम हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल वजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंग्स का गिरना तो दिल्ली में आम ही चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर-दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

विकास के आंकड़ों की जांच-परख



उद्देश्य ही वही है और भारत ने इसे तैयार किया है। इसका सबूत 2 सितंबर को मिला। जापान की क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने भारत की रेटिंग को बीबीबी+ से बढ़ाकर ए- कर दिया और इसके साथ ही स्थिर संभावना भी जताई। इसके अलावा, देश की रेटिंग सीमा (कंटी सीलिंग) को भी ए कर दिया। भारत को तीन दशकों से अधिक समय से ए रेटिंग नहीं मिली है। एजेंसी ने डिजिटल सार्वजनिक ढांचे, जीएसटी, दिवालिया संहिता और सकल गैर-निष्पादित ऋण अनुपात (ग्रॉस नॉन-परफॉर्मिंग लोन रेश्यो) के 1.8 प्रतिशत तक कम होने का उल्लेख किया।

उसने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार ने उच्च पूंजीगत व्यय को जारी रखते हुए भी अपने राजकोषीय घाटे को वित्तीय वर्ष 2025 में जीडीपी के 4.7 प्रतिशत से घटाकर वित्तीय 2026 में 4.4 प्रतिशत कर लिया। टोक्यो स्थित एक रेटिंग समिति के लिए दिल्ली में किसी को खुश करने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने भी

उन्हीं सुधारों को देखा और वही नतीजा निकाला। अब आलोचना के मुख्य बिंदु पर आते हैं। लेखकगण पूछते हैं कि अगर आज ये संकेतक 7.8 प्रतिशत की विकास दर को सही ठहराते हैं, तो पूर्व के वर्षों में वैसी ही विकास दर कमजोर संकेतकों के साथ क्यों संभव हुई थी? यह मान लेना कि विकास हमेशा एक जैसी चीजों से ही संभव होती है, जरूरी नहीं है। नियांत और औपचारिक ऋण से प्रेरित तिमाही, घरेलू खर्च या सरकारी निवेश से चलने वाले ऋण के मामले में भी गणित हिसाफ जताता है। वर्ष 2024-25 में, नई श्रृंखला के तहत नीतिमल जीडीपी की विकास दर पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम रही - 9.8 प्रतिशत के मुकाबले 9.4 प्रतिशत - जबकि असल विकास बढ़ी। नीतिमल जीडीपी सरकार के बचत में 60 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई। गैर-बैंक और तकनीक-आधारित

चाहतों है। अगर कोई मंत्रालय आंकड़ों में हेरफेर करता है, तो वह ऐसा अपनी कीमत पर नहीं करता। वर्ष 2024-25 और 2025-26 को मिलाकर देखें, तो नई श्रृंखला के तहत औसत असल विकास दर 7.0 प्रतिशत से बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो जाती है। यह आधा प्रतिशत अंक अधिक है। अगर तीन वर्षों - 2023-24 से 2025-26 - को लें, तो नई में औसत ग्रीथ पुरानी श्रृंखला के मुकाबले कम है - 7.7 प्रतिशत के मुकाबले 7.4 प्रतिशत। लेखकगण अपनी बात एक कहावत के साथ खत्म करते हैं। वे लिखते हैं कि जो नियम आज लागू होता है, वही नियम पहले भी लागू होना चाहिए। यह सिद्धांत सही है। हमारी बस यही मांग है कि इसे पूरी तरह से लागू किया जाए। पिछले सालों के आंकड़े भी मौजूद हैं: जैसे घरेलू बचत, क्रेडिट में बढ़ोतरी, संसाधनों का प्रवाह, करों से होने वाली कमाई और निवेशकों का बढ़ता दायरा। अगर आप कुछ ही संकेतकों को देखें, तो पिछला समय कमजोर लग सकता है। लेकिन अगर आप सभी संकेतकों पर गौर करें, तो ऐसा नहीं लगता। भारत ने एक बड़े झटके का सामना किया और अपने बढ़ता रहा। ऐसा इसलिए हो पाया क्योंकि उसने एक दशक में अपनी क्षमता बढ़ाई थी और वित्तीय मजबूती हासिल की थी। यह एक टोस नतीजा है, न कि कोई बनावटी बात। (लेखक सोमेश गर्ग, सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, वी. अनंत नागेशवरन, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार)

अरंगी पंचायत में पुल निर्माण और राशि निकासी मामले की जांच तेज

डीपीएम ने स्थल निरीक्षण कर ग्रामीणों से ली जानकारी; पंचायत कर्मियों की भूमिका पर उठे सवाल

नवप्रदेश संवाददाता
घाघरा (गुमला): घाघरा प्रखंड के अरंगी पंचायत अंतर्गत खम्बिया गांव में निर्धारित स्थल पर पुल निर्माण किए बिना योजना की राशि निकासी किए जाने से जुड़े मामले में खबर प्रकाशित होने के बाद प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। सोमवार को जिला पंचायती राज पदाधिकारी के निर्देश पर डीपीएम

सतीश कुमार अपनी टीम के साथ गांव पहुंचे और पूरे मामले की जांच की। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि जिस स्थान पर योजना के तहत पुल का निर्माण होना था, वहां पुल नहीं बनाया गया। इसके बजाय बिना आवश्यक अनुमति और प्रक्रिया पूरी किए दूसरे स्थान पर पुल का निर्माण कर दिया गया। जांच टीम ने निर्मित पुल का निरीक्षण करने के साथ-साथ उस मूल स्थल का भी जायजा लिया, जहां योजना के अनुसार पुल बनाया जाना था।ग्रामीणों ने जांच अधिकारियों के समक्ष बताया कि स्वीकृत स्थल पर पुल नहीं बनाकर



उसे दूसरे स्थान पर बना दिया गया है। मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर योजना का स्थान परिवर्तन किसके आदेश पर और किस प्रक्रिया के तहत किया गया।नियमों के अनुसार किसी योजना का स्थानांतरण करने से पहले ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर आवश्यक

स्वीकृति ली जानी चाहिए तथा सक्षम जिला स्तरीय अधिकारी की अनुमति जरूरी होती है। आरोप है कि इस मामले में ऐसी कोई प्रक्रिया पूरी नहीं की गई और पंचायत सचिव, कनीय अभियंता जीवन एक्का तथा मुखिया की कथित मिलीभगत से योजना का स्थान बदलकर कार्य करा दिया गया। जांच में जुटी टीम, हर पहलू की हो रही पड़ताल* डीपीएम सतीश कुमार ने दोनों स्थलों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से विस्तृत जानकारी ली। इस संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जिला पंचायती राज पदाधिकारी के आदेश पर मामले

की जांच की जा रही है। जांच के हर पहलू की पड़ताल की जा रही है और पूरी जांच रिपोर्ट लिखित रूप में जिला पंचायती राज पदाधिकारी को सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच के आधार पर नियम संगत कार्रवाई की जाएगी। खबर छपते ही पंचायत में मचा हड़कंप, मामले की खबर प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद पंचायत में हड़कंप मच गया है। आरोप है कि अब लाभुक समिति के अध्यक्ष और सचिव गांव में घूम-घूमकर हस्ताक्षर जुटा रहे हैं और योजना के कार्य को नियम संगत साबित करने की कोशिश की जा रही है। वहीं

पंचायत से जुड़े कर्मियों द्वारा भी पूरे मामले को सही ठहराने के प्रयास किए जाने की चर्चा ग्रामीणों के बीच है। अब खम्बिया गांव के लोगों की निगाहें जांच रिपोर्ट और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या जांच में योजना के स्थान परिवर्तन और पुल निर्माण की पूरी सच्चाई सामने आएगी, या फिर जिम्मेदार लोग अपने स्तर पर मामले को सही साबित करने में सफल हो जाएंगे। जांच रिपोर्ट के बाद ही तय होगा कि नियमों की अनदेखी करने वालों पर कार्रवाई होती है या मामला फाइलों तक ही सीमित रह जाता है।

मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, शंभू महतो, लिलिमा बोस के निधन पर शोक सभा व बैठक संपन्न

झारखंड आंदोलनकारी गण अपने संघर्ष की आवाज बने: पुष्कर महतो
30 सितंबर को सरकार का संकल्प का पालन व आश्वासनों को अमल करने की मांग को लेकर झारखंड बंद

नवप्रदेश संवाददाता
गुमला। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की ओर से झारखंड आंदोलनकारी व मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, झारखंड आंदोलनकारी शंभू महतो व झारखंड आंदोलनकारी गौतम बोस की मां स्व श्रीमती लिलिमा बोस के आकस्मिक निधन पर अंजुमन इस्लामिया कॉन्ग्रेस हॉल में शोक सभा व अहम बैठक का आयोजन किया गया. बैठक में 30 सितंबर को सरकार का संकल्प का पालन व आश्वासनों को अमल करने की मांग को लेकर झारखंड बंद का निर्णय लिया गया.



मौके पर मुख्य अतिथि झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने कहा कि झारखंड आंदोलनकारी गण अपने संघर्ष की आवाज बने अपने पहचान की रक्षा की लड़ाई लड़े एवं जिए आज चारों ओर झारखंड आंदोलनकारी को मिटाने का साजिश एवं षड्यंत्र किया जा रहे हैं शासन- प्रशासन

का संरक्षण नहीं मिल रहा है ऐसी परिस्थितियों में झारखंड आंदोलनकारी को अपने अस्तित्व अस्मिता एवं पहचान को बचाने के लिए गोल बंद होना चाहिए, संगठित आवाज बने. किसी भी परिस्थिति में अपने आप को टूटने ना दे. आज आंदोलनकारी को अपने वजूद को बचाना नितांत आवश्यकता है. आज झारखंड

आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा को सरकार के संकल्प का पालन एवं आश्वासनो पर अमल कराने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है बिना संघर्ष किये आंदोलनकारियों के इतिहास मिट जाएंगे. एक संघर्ष अलग राज्य के लिए किया अब दूसरा संघर्ष अपने बाल बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए करना है राजकीय मान सम्मान अलग

पहचान रोजी रोजगार एवं नौकरियों में 100 प्रतिशत गारंटी तथा जेल जाने की बाध्यता समाप्त कर सभी को सम्मान पेंशन राशि 50-50 हजार रु दिलाने के लिए बड़ी लड़ाई लड़नी है. कार्यक्रम की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती रोजलीन तिकी ,संचालन अन्थन लकड़ा उपाध्यक्ष प्रो रतन लाल महतो वरीय

आंदोलनकारी जगन्नाथ पंडित,दुमका प्रमंडल अध्यक्ष जितन कोल, सचिव बुधन हंसदा, पलामू प्रमंडल अध्यक्ष भारदुल भुइयां, कोल्हान प्रमंडल अध्यक्ष विश्वजीत प्रमाणिक, मुश्ताक अहमद, जामताड़ा जिला अध्यक्ष नारायण मंडल गोड्डा जिला अध्यक्ष किंकर चौहान,गढ़वा जिला अध्यक्ष नन्दलाल मेहता केन्द्रीय सचिव पुनीत उरांव,गुमला जिला प्रकाश खलखो, विजय उरांव, नीलू देवी, मीनू टुडू, मलोती मरांडी, नूर आलम, मौलाना अजहर महमूद, विनोद पांडेय,रंजनी कांडुलना, शीला कच्छप, शोभा उरांव, प्रदेसी भगत, सुजाता टोप्पो, मो मोजदीन अंसारी, बेलहेम मिंज निमरोद एक्का, अर्जुन प्रसाद सिंह, अजय कुमार कुजूर, हरिहर प्रसाद तुरी,शीतल किस्कू, अमित मुर्मु, चम्मू उरांव, सुखदेव उरांव, रमेश मुर्मु, हीरा प्रधान,भीषण मंडल, रघुनी भुइयां, ब्रजकिशोर यादव, सरयू राम, शांति देवी किशोर गिद्ध, पावती देवी, नोरबाद केरकेट्टा, कोनोस्तान टोप्पो, प्रदीप टोप्पो , दिदेश महतो, मो जावेद सहित अन्य प्रमुख थे

होटल में औचक जांच, आधा दर्जन बालिग जोड़े मिले

एसडीपीओ ने प्रिंस प्लाजा होटल का किया निरीक्षण, पहचान-पत्र से लेकर सीसीटीवी तक की जांच

नवप्रदेश/प्रतिनिधि, हरिहरगंज. नगर पंचायत के बेलोदर मोड मेन रोड स्थित प्रिंस प्लाजा होटल में सोमवार को छतरपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रशांत कुमार ने औचक निरीक्षण किया. पुलिस अधिकारी के अचानक पहुंचने से होटल प्रबंधन में हलचल मच गयी. निरीक्षण के दौरान होटल में ठहरे लोगों के पहचान-पत्र, अतिथि पंजी, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, प्रवेश व निकास व्यवस्था सहित सुरक्षा मानकों की जांच की गयी. एसडीपीओ प्रशांत कुमार ने बताया कि जांच के दौरान



होटल के कमरों में करीब आधा दर्जन जोड़े मिले. सभी के पहचान संबंधी कागजातों की जांच की गयी, जिसमें वे बालिग और वैध दस्तावेजों के साथ पाए गये. पूछताछ के बाद सभी को छोड़ दिया गया. एसडीपीओ ने होटल संचालक एवं प्रबंधन को प्रत्येक अतिथि के वैध पहचान-पत्र का अनिवार्य रूप से सत्यापन कर उसका उचित रिकॉर्ड रखने का निर्देश दिया. उन्होंने होटल परिसर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरों को हमेशा चालू रखने तथा किसी भी

संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल स्थानीय पुलिस को देने को कहा. उन्होंने स्पष्ट किया कि होटल में ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान और गतिविधियों का समुचित रिकॉर्ड रखना सुरक्षा की दृष्टि से जरूरी है. पुलिस द्वारा इस तरह के औचक निरीक्षण आगे भी जारी रहने की बात कही गयी. इस अभियान में एसआइ हेमंती बास्के, श्याम भगत, मोहम्मद इनामुलहक सहित पुलिस बल शामिल थी.

कोडरमा में पुलिस का ऑपरेशन कैंकडाउन 27 ठिकानों पर छापेमारी, 52 अड़ेबाज व नशाखोर हिरासत में

नव प्रदेश संवाददाता/कोडरमा। जिले में असामाजिक तत्वों और सार्वजनिक स्थानों पर अड़ुंबाजी व नशापान के खिलाफ कोडरमा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस अधीक्षक कुमार शिवाशीष के निर्देशन में 06/ 07 सितंबर 2026 की रात जिले भर में ऑपरेशन कैंकडाउन चलाया गया। अभियान की मॉनिटरिंग स्वयं पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों, पीसीआर, पैथर एवं गश्ती दल ने एक साथ कार्रवाई करते हुए 27 सार्वजनिक स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान सार्वजनिक जगहों पर अवैध रूप से जमावड़ा लगाकर अड़ुंबाजी एवं नशापान करने वाले कुल 52 लोगों को हिरासत में लिया गया। थानावार कार्रवाई में कोडरमा



थाना क्षेत्र से 7, तिलैया थाना से 14, मरकच्चो थाना से 8, जयनगर थाना से 10, डोमवांच थाना से 6, चंदवारा थाना से 2, तिलैया डैम ओपी से 3 तथा ढाब थाना क्षेत्र से 2 लोगों को हिरासत में लिया गया। कार्रवाई के दौरान 8 मोटरसाइकिल और 2 स्कॉपिया भी बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए सभी लोगों को आवश्यक

हिदायत देकर सकुशल उनके परिवार के सुपुर्द कर दिया गया। उन्हें स्पष्ट चेतावनी दी गई कि भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर अड़ुंबाजी, नशापान अथवा ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल न हों।कोडरमा पुलिस ने साफ किया है कि अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान लगातार जारी रहेंगे। पुलिस प्रशासन का उद्देश्य जिले में अपराधमुक्त एवं भयमुक्त वातावरण कायम करना है, ताकि आम लोग सुरक्षित और निर्भीक होकर अपना जीवन यापन कर सकें। पुलिस अधीक्षक ने भी जिलेवासियों को आश्वासन दिया कि शांति, सुरक्षा और कानून. व्यवस्था बनाए रखने के लिए कोडरमा पुलिस पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

जंगली हाथियों का उत्पात, चार ग्रामीणों के घर क्षतिग्रस्त, धान की फसल भी रौंदी



नवप्रदेश/रायडीह वन क्षेत्र के सिकोई पंचायत ने जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने चार ग्रामीणों अंतर्गत दो गांवों में बीती रात दो जंगली हाथियों के घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया और घर में रखे सामान को भी नुकसान पहुंचाया। इसके अलावा खेतों में लगी धान की फसल को रौंदकर बर्बाद

कर दिया।जानकारी के अनुसार हाथियों ने तियन टोंगरी गांव निवासी सुप्रियन कुजूर पिता इसिंदोर कुजूर, जग्गा मुंडा, सिमरनाथ मुंडा तथा तुरीडीह निवासी बहुरा तुरी पिता स्व. रतिया तुरी के घरों को क्षतिग्रस्त किया। घटना के बाद ग्रामीणों में भय का माहौल है। घटना की सूचना मिलने पर रायडीह बीट प्रभारी वनपाल चंद्रेश उरांव तथा वनरक्षी हेमराज उरांव और मुनेश्वर राम घटनास्थल पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने हाथियों द्वारा किए गए नुकसान का जायजा लिया तथा प्रभावित ग्रामीणों को मुआवजा के लिए आवेदन प्रपत्र उपलब्ध कराया। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आवश्यक प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रभावित ग्रामीणों को नियमानुसार मुआवजा भुगतान किया जाएगा। इधर, सिकोई पंचायत की मुखिया तबीता तिकी और झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष समल लोहरा ने भी प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

लायंस क्लब गुमला का 36वां पद स्थापना समारोह संपन्न

मुरली मनोहर प्रसाद की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम, 2026-27 की नई कमेटी ने संभाली जिम्मेदारी

नवप्रदेश/गुमला। लायंस क्लब गुमला का 36वां पद स्थापना समारोह रविवार को उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता क्लब के अध्यक्ष लायन मुरली मनोहर प्रसाद ने की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला पाल एमजेएफ लायन शुभा मजूमदार थीं। समारोह में इंटरलिंग ऑफिसर पीडीजी पीएमजेएफ लायन कमल जैन, पीएमजेएफ लायन माधव लखोटिया, एमजेएफ लायन सिद्धार्थ मजूमदार, इंडक्शन ऑफिसर एमजेएफ लायन कंचन साहू, एलएसएच वाइस डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन राहुल वर्मा सहित अन्य अतिथि एवं लायंस क्लब के सदस्य मौजूद रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके पद एवं दायित्व की शपथ दिलाई गई तथा कार्य का ईडक्शन कराया गया। **सत्र 2025-26 में 174 सेवा गतिविधियां** कार्यक्रम में सत्र 2025-26 के सचिव डॉ. शंकर लाल जाजोदिया ने सचिव की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि पिछले सत्र में लायंस क्लब गुमला द्वारा कुल 174 सेवा गतिविधियां आयोजित की गईं। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, सामाजिक सेवा होने के बाद प्रभावित ग्रामीणों को निर्यात के क्षेत्र में क्लब ने उल्लेखनीय कार्य किए। 174 गतिविधियों की जानकारी मिलने पर जिला पाल शुभा मजूमदार सहित अन्य अतिथियों ने क्लब के कार्यों की सराहना की।मुख्य अतिथि एमजेएफ लायन शुभा मजूमदार ने कहा कि लायंस क्लब का मूल उद्देश्य है। समाज के जरूरतमंद लोगों तक सेवा पहुंचाना प्रत्येक सदस्य की जिम्मेदारी है। उन्होंने गुमला क्लब की सेवा गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि क्लब ने पिछले सत्र में जिस सक्रियता के साथ कार्य किया है, उसे आगे भी जारी रखते हुए सेवा का दायरा और बढ़ाया जाना चाहिए।





ये हैं दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां

अगर आप अपने करियर को अंजकड़ों तक ले जाना चाहते हैं और सम्मान कमाई करना चाहते हैं, तो इन डिग्रियों में काम करें। दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियां हैं। दुनिया में कई डिग्रियां होती हैं, जिनमें से कुछ करना असान नहीं होता है, लेकिन एक बार डिग्रियां करने के बाद इनका स्कोर और सैलरी पैकेज जबरदस्त मिलता है। कठिनता के बावजूद, इन डिग्रियों की डिमांड हमेशा बढ़ी रहती है। तो अगर दुनिया की 5 सबसे कठिन डिग्रियों के बारे में जानेंगे हैं, जिनमें काम करना लक्ष्य की कमाई कर सकते हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी

अगर आप डॉक्टर बनना चाहते हैं, तो MBBS दुनिया की सबसे कठिन डिग्रियों में से एक मानी जाती है। इसमें लंबे समय तक पढ़ाई, इंटरनशिप और डिप्लोमा ट्रेनिंग करना होती है। लेकिन इस कोर्स में करियर बन सिखा, तो कमाई की कोई सीमा नहीं होती।

इंजीनियरिंग

इंजीनियरिंग डिग्री कोर्स काफी कठिन होता है, खासकर तब जब आप टॉप ग्राज जैसे कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई कर रहे हैं। इसमें थोड़ी, डिप्लोमा, इंटरनशिप और डिप्लोमा का कॉम्बिनेशन होता है, जो इसे और भी वैशिश बना देता है।

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

CA कोर्स दुनिया के सबसे कठिन कोर्स में से एक है। इसमें कई तरह के एग्जाम होते हैं और पास करने की दर भी काफी कम होती है। लेकिन अगर आप इसे पूरा कर लेते हैं, तो बड़े कॉर्पोरेट हाउस में लाखों-करोड़ों के पैकेज पर जॉब पा सकते हैं या खुद की फर्म शुरू कर सकते हैं।

एस्ट्रॉनॉमी और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग

अगर आपको अंतरिक्ष और विमान विज्ञान में रुचि है, तो यह डिग्री आपके लिए है। लेकिन यह बहुत ही कठिन होती है, क्योंकि इसमें गणित, भौतिकी और तकनीकी ज्ञान की गहरी समझ जरूरी होती है। नाला, इसी डिग्री पढ़ाई में काम करने का समय देखने वालों के लिए यह एक बेहतरीन करियर ऑप्शन है।



लॉ के बाद जज बनने और वकालत करने के अलावा भी हैं ढेर सारे विकल्प

लॉ में करियर लंबे समय से युवाओं के बीच पॉपुलर रहा है और अब इसमें विकल्पों के बढ़ने अलग-अलग वैकल्पिक विकल्प चुनना भी आसान हो गया है। परंपरागत कानूनी पेशेवरों और समूह के विस्तार के साथ कानून के अनुसंधान प्रोफेशनलाइज की जरूरत हर जगह बढ़ रही है। आज के समय में आम लोगों अपने अधिकारों के प्रति काफी जागरूक हैं, वे कानूनी अधिकारों को समझना चाहते हैं, ऐसे में लॉ में करियर बनने का ही एक विकल्प और भी ज्यादा बढ़ गया है। साथ ही इन दिनों किसी नई खोज या तकनीकी विकास के साथ युवाओं और प्रौद्योगिकी कानून में संलग्न करने की जरूरत होती है। और इस विचार से भी कानून के अनुसंधान की भाग में वे इच्छुक होंगे।

लॉ का ये है पाठ्यक्रम

लॉ में सम्बंधित 3 पाठ्यक्रम होते हैं कानून, 10+2 के बाद पाठ कॉलेज डिप्लोमा लॉ पाठ्यक्रम और बैचलर ऑफ लॉ लॉ पाठ्यक्रम। पाठ कॉलेज डिप्लोमा लॉ पाठ्यक्रम में भी अब तीन प्रकार के पाठ्यक्रम हो गए हैं - जस्टिस के छात्रों के लिए कोर्स एलएलबी, लॉ के छात्रों के लिए बीएलबी एलएलबी, कोर्स के छात्रों के लिए बीएलबी एलएलबी और मेनेजमेंट के छात्रों के लिए बीएलबी एलएलबी। एक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आपको लॉट खनि कॉलेज लॉ एडमिशन टैस्ट से गुजरना होगा, जो लॉ में एक बार होता है। अपनी स्कॉरिंग के आधार पर आपको कॉलेज अर्वाइट दिए जायेंगे। देश में कई ऐसे सरकारी विश्वविद्यालय हैं, जहाँ केवल लॉ की ही पढ़ाई होती है। बैचलर ऑफ लॉ लॉ पाठ्यक्रम में कॉलेज के लिए विश्वविद्यालय अपना-अपना एंट्रेंस टैस्ट सम्बलित करते हैं।

इस तरह बनें लायर



का समय कम हो गया, जब आप लॉ की परीक्षा पास कर कानून कोर्स करने का सही विकल्प चुन सकते हैं। लॉ के बाद आपको बार कौन्सिल और डिग्री द्वारा सम्बलित अलग डिग्री का एग्जामिनेशन खनि एग्जामिनेट देना होगा, जिसके बाद ही आप वकालत के लिए योग्य घोषित कर दी जायेंगे। इसके बाद आपका एडमिशन बार कौन्सिल और डिग्री में हो जायेगा और तब आप वकालत के तौर पर काम करने की योग्यता प्राप्त कर लेंगे।

एकेडमिक्स में जाएं

यदि आपका चयन केवल एक वकालत की तरह भला के किसी भी न्यायालय में वकालत की अपना करियर बनाना है, तो इसमें एक्जामिनेशन (लॉ में केसट मैट्रिक) की कोई भूमिका नहीं है। इसके लिए आपको एलएलबी की डिग्री ही पढ़नी है। एक्जामिनेशन और कोर्सेज शुरू रूप से वे मॉडिफाई करती हैं, जो लॉ के क्षेत्र में एक्जामिनेशन में जाना चाहती हैं और अपने भविष्य किसी लॉ कॉलेज में एक लेक्चरर के रूप में अपना करियर बनाना चाहती हैं। अगर आप किसी कानून विभाग में रोजगारप्राप्त करना चाहती हैं, तो पीएल और पीएल डिप्लोमा स्तर पर रोजगारप्राप्त के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं।

एनवायरमेंटल लॉ

अगर आप प्रकृति के संरक्षण के बारे में गंभीरता से सोचती हैं तो एनवायरमेंटल लॉ बनने के बारे में सोच सकती हैं। इसके अतिरिक्त आप प्रकृतिक संरक्षण के नए होने से जुड़ी चीजों को बनाने की बात कर सकती हैं। इसके अलावा आप पब्लिक इंटर स्ट्रिक्चर भी जान सकती हैं। इसके अलावा एनवायरमेंटल लॉ बनने की जरूरत एनवायरमेंट में भी होती है, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान पर अंकित होती है।

साइबर लॉ

डिजिटल एंजलैजमेंट के दौर में साइबर अंतराज भी तेजी से बढ़ रही है और इन पर काम करने के लिए साइबर लॉ बनने की मांग तेजी से बढ़ रही है। साइबर पर कड़ी ई-मेल भेजना, सोशल मीडिया पर कड़ी ई-मेल भेजना, साइबर में कड़ी तरीके से पैसों निवेशना, एक्जामिनेशन, मेकअप कॉलेज जैसे मामले सामने आ रहे हैं। इसे देखते हुए कंप्यूटर और नेटवर्क सिस्टमों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसे देखते हुए आप कंप्यूटर लॉ डिप्लोमा कॉलेजिएल एक्जामिनेट बनने के बारे में भी सोच सकती हैं।

पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ

कई बार लोग अलग रूप से किसी अन्य व्यक्ति की कॉपी को अपना काम दे देते हैं, इससे सुरक्षा देना है पेटेंट एंड कॉपीराइट लॉ। कानूनी तौर पर अगर कोई कॉपी कॉपी कॉपीराइट की बनाना चाहती है, तो उसे इसके लिए लाइसेंस लेने की जरूरत होती है और उस पर कॉपीराइट शुरू देना पड़ता है। कॉपीराइट संग्रह करने Intellectual Property डिप्लोमा के अंतर्गत शुरू करने में से एक है और इसमें दादा प्रोफेशनलाइज की अच्छी काफी भाग है।

लेबर लॉ

कॉर्पोरेट में काम करने वाले कर्मचारियों के अधिकार लेबर लॉ के तहत आते हैं। अगर आप कॉर्पोरेट में काम कर रहे होंगे अपने अधिकार और अन्य विवादों को लेकर अंतर्गत में बहुत जाते हैं। लेबर लॉ से जुड़े मामलों में इच्छा होने की वजह से इनमें भी आपके लिए आपके लिए अच्छी सम्भावना हो सकती है।

इंटरनेशनल लॉ

अगर आपको अंतराज अच्छी है और आपकी अंतराजिय पढ़ाई में रुचि है तो आप इंटरनेशनल लॉ बनने के बारे में भी सोच सकती हैं। इसके अलावा डिग्री लॉ के लॉड डिग्री से जुड़ी सम्भावना का कानूनी तरीके से इन विचार जाते हैं।

कॉर्पोरेट लॉ

देश में कॉर्पोरेट के बढ़ते प्रसार के बीच अंतर्गत कॉर्पोरेट लॉ का संकेत भी काफी अच्छा है। इसके अलावा कॉर्पोरेट ऐसे प्रोफेशनलाइज अपने प्राप्त सकती हैं, जो उन्हें अपनी कानूनी अधिकारों और कानूनों के बारे में समझ दे सकें। कॉर्पोरेट लॉ के तौर पर अलग कानूनी डिग्री होने पर अलग वे-पैकेज भी मिलता है।

ये हैं जरूरी गुण

- बेहतर संवाद क्षमता
- अच्छी मेमरी
- एडिटरशिप
- लॉडिग और पीएल का विवेचना करने में निपुण
- पैरेंटिंग होने का गुण
- सम्भावनाओं के अंतर्गत इन विचारने में सक्षम
- कानूनी कानूनों की अच्छी जानकारी
- सम्पूर्ण और कड़ी मेहनत



यदि आप अपनी बातों को प्रभावी ढंग से सामने वाले के सामने रख सकते हैं और जिसे भारत के कानून के बारे में नई-नई बात जानने की उत्सुकता बनी रहती है, आपके मन में अक्सर किसी व्यवस्था को लेकर उदगार पैदा होते हैं और आप समझते हैं कि यदि आपके साथ में कानून होता तो इसे ठीक करने की कोशिश करते, तो फिर लॉ का क्षेत्र आपके लिए ही है। अगर आप लॉ के बाद इसमें करियर बनाने की सोच रहे हैं तो आपको बता दें कि इसमें काफी अच्छी संभावनाएं हैं।

बीसीए के बाद अच्छी जॉब के लिए बेहतरीन करियर ऑप्शंस

बीसीए, एक पॉपुलर अंडरग्रेजुएट कोर्स है, जिसे कंप्यूटर साइंस और आईटी फ़िल्ड में करियर बनाने के लिए किया जाता है। हालांकि, इस कोर्स को करने के बाद, अपने राया करें सोच कर आप भी प्रेरित हो सकते हैं, तो फिर हम आपको यहां बीसीए के बाद के कुछ बेहतरीन करियर ऑप्शंस के बारे में बताते हैं।

अगर आपने अंडरग्रेजुएट कोर्स बीसीए कर लिया है और अब समझ नहीं आ रहा कि अपने राया करें, तो प्रेरित होने की जरूरत नहीं है। भले ही, अगर आप स्टूडेंट्स बीसीए के बाद क्या करें? इस सवाल का लेकन कथपुत्र हो जाते हैं, पर आपको इनका सोचना की जरूरत अब तो मिश्रित भी नहीं है, क्योंकि बीसीए के बाद आपके पास करियर के कई बेहतरीन विकल्प होते हैं, जिनमें उच्च शिक्षा, सरकारी नौकरियां और प्रोफिट सेक्टर में हाई-सैलरी जॉब शामिल हैं। सही करियर ऑप्शन का चुनाव आप अपने मिशन, इंटरस्ट और करियर

गोल्स के आधार पर कर सकते हैं।

इसी काम में अगर हम आपकी दुनिया को दूर करते हैं। परंपरागत, इस ऑडिशन में हम आपको बीसीए के बाद मिलने वाले टॉप करियर ऑप्शन के बारे में विस्तार से बतायेंगे, जिससे आप अपने करियर के लिए सही फैसला ले सकें और अपने जीवन और एक अच्छी जॉब व हाई सैलरी पा सकें। बीसीए के बाद बेहतरीन करियर ऑप्शन -

MCA (Master of Computer Applications)

अगर आप अपनी तकनीकी मिशन को और मजबूत करना चाहते हैं, तो MCA करना एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह कोर्स आपको सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, ऑडिशनियल इंटरनेट और डेटा साइंस जैसे एडवांस्ड टॉपिक्स सिखाता है। सही बात इस कोर्स के बाद जॉब ऑप्शन की तो आप इसमें सॉफ्टवेयर इंजीनियर, वेब डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट, आईटी सॉल्यूटिज एडि बन सकते हैं। इसमें आपको लगभग रु 5-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज भी मिल सकता है।

MBA (Master of Business Administration)

अगर आप मैनेजमेंट और लीडरशिप में करियर बनाना चाहते हैं, तो एमबीए आपके लिए सही रास्ता है। खासकर IT Management, Business Analytics और Digital Marketing में MBA करने से आपको कॉर्पोरेट सेक्टर में अच्छी जॉब मिल सकती है। इस जॉब में आपको शुरूआत में कम से कम रु 6-15 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में बनाएं करियर

बीसीए के बाद डेटा साइंस और मशीन लर्निंग में करियर बनाना आज के समय में बहुत अच्छा विकल्प है। इस कोर्स में जॉब की डिमांड तेजी से बढ़ रही है और सैलरी भी काफी अच्छी है। बीसीए करने के बाद, आप डेटा साइंटिस्ट, एडवां इंजीनियर, मशीन लर्निंग डेवलपर आदि बन सकते हैं। बात अगर सैलरी पैकेज की करें तो आपको रु 8-20 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।

डिजिटल मार्केटिंग और SEO में हाथ आजमाएं

अगर आपको डिजिटल मार्केटिंग और मार्केटिंग में रुचि है, तो डिजिटल मार्केटिंग एक बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है, जो आप बीसीए करने के बाद आराम से कर सकते हैं। कॉर्पोरेट अपने बिजनेस को ऑनलाइन प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग को हाथ कर रहे हैं। ऐसे में, आपको डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर, SEO एक्जर्ट, कंटेंट मार्केटर की पेशेंट मिल सकती है। साथ ही, रु 4-12 लाख प्रति वर्ष का पैकेज मिल सकता है।



सचिन तेंदुलकर

एक खिलाड़ी... अनगिनत प्रेरणाएं

क्रिकेट के मैदान का शहंशाह | भारत रत्न जैसा सम्मान | करोड़ों दिलों की धड़कन

“मैंने हमेशा
सिर्फ एक चीज़ पर ध्यान
केंद्रित किया है –
खेल को बेहतर बनाना
और देश के लिए खेलना।”

– सचिन तेंदुलकर

भा रतीय क्रिकेट के इतिहास में सचिन तेंदुलकर एक ऐसा नाम है, जो सिर्फ एक खिलाड़ी नहीं, बल्कि एक भावना है। 24 अप्रैल 1973 को मुंबई में जन्मे सचिन तेंदुलकर ने अपने अथक परिश्रम, प्रतिभा और खेल के प्रति समर्पण से न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व में क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में एक विशेष स्थान बनाया।

उन्हें क्रिकेट का भगवान यूँ ही नहीं कहा जाता।

सचिन तेंदुलकर : संक्षिप्त जीवन परिचय

पूरा नाम	: सचिन रमेश तेंदुलकर
जन्म तिथि	: 24 अप्रैल 1973
जन्म स्थान	: मुंबई, महाराष्ट्र
पिता	: रमेश तेंदुलकर
माता	: राजनी तेंदुलकर
पत्नी	: अंजलि तेंदुलकर
बेटी	: सारा तेंदुलकर
बेटा	: अर्जुन तेंदुलकर



अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार रिकॉर्ड

● वनडे मैच	: 463
✂ रन	: 18,426
✂ शतक	: 49
● अर्धशतक	: 96
● टेस्ट मैच	: 200
✂ रन	: 15,921
✂ शतक	: 51
● अर्धशतक	: 68

🏆 कुल अंतरराष्ट्रीय रन : 34,347
(वनडे + टेस्ट)



सचिन के कुछ यादगार पल

- 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत।
- 1998 में शारजाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धमाकेदार शतक (143 रन)
- 2011 विश्व कप में भारत को दिलाई ऐतिहासिक जीत (महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में, लेकिन सचिन का योगदान अमूल्य रहा)।
- टेस्ट क्रिकेट में 15,000 रन पूरे करने वाले दुनिया के सबसे तेज बल्लेबाज (जिस समय यह उपलब्धि हासिल की)
- एकदिवसीय क्रिकेट में 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी।



सम्मान और उपलब्धियां

- भारत रत्न (2014) – सबसे कम उम्र में
- पद्म विभूषण (2008)
- राजीव गांधी खेल रत्न (1997)
- महाराष्ट्र भूषण (2012)
- वर्ल्ड कप विजेता (2011)
- ICC क्रिकेट हॉल ऑफ फेम (2019)
- अनेक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार

“सचिन तेंदुलकर
सिर्फ एक नाम नहीं,
एक युग हैं!?”



धन्यवाद सचिन!

आपने हमें सिर्फ क्रिकेट नहीं,
जिंदगी जीने का तरीका सिखाया है।

सचिन तेंदुलकर
– हमेशा हमारे दिलों में



सहायक निदेशक गौतम कुमार को समस्तीपुर का नगर आयुक्त बनाया गया है। वहीं भागलपुर के नगर आयुक्तों को भी समस्तीपुर के नगर आयुक्तों की समानाहता दिनेश राम को योजना पर्वद में संयुक्त सचिव बनाया गया है। इसके अलावा नगर कटियागंज के नगर आयुक्तों को भी समस्तीपुर के नगर आयुक्तों की समानाहता दिनेश राम को योजना पर्वद में संयुक्त सचिव बनाया गया है। अन्य अधिकारियों को भी विभिन्न विभागों में नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं।

नवग्रहेश/रोहतास प्रखंड के वरिष्ठ पत्रकार एवं कौमी तंत्रीम से जुड़े पत्रकार मिखाह अमरम धन के निमन से पत्रकारिता जगत समेत पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़े गइ। शनिवार रात शाम घण्टा के एक निमी अस्थाला में इज्जत के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर मिलते ही पत्रकारों, समाजजक कर्माठताओं, जगप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़े गइ। तंबे समाजक, जगप्रतिनिधियों के क्षेत्र में स्वीछर रहे मिखाह अमरम धन के निमन को पत्रकारिता जगत के लिए अपुणीय क्षति बताया जा रहा है। उनके निमन पररोहतास जर्नीलस्ट एसोसिएशन की ओर शोहरमसा आयोजित कर दिगम पत्रकार को श्रद्धांजलि दी गई। पत्रकारों ने मे निमत का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा उनके पत्रकारिता जीवन और समाज के प्रति योगदान को याद किया। उनके बाद एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि कुमार के नेतृत्व में पत्रकारों का एक समूह उनके पैतृक आवास पहुंचा और शोकाकुल परिजनों से मुलाक़ात कर उन्हें ढाढस बंधाया। इस मौके पर रोहतास जर्नीलस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि कुमार ने कहा कि मिखाह अमरम धन का निमन पत्रकारिता जगत के लिए बेहद दुःखद और अपुणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि दिगम पत्रकार ने तंबे समये जग पत्रकारिता के माध्यम से समाज की समस्याओं और आम लोगों की आवाज को प्रमुखात से उठाया। उनके निमन से पत्रकारिता जगत के लिए एक दुःख की घड़ी में रोहतास जर्नीलस्ट एसोसिएशन शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा है और हर सह्य सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

अफगानिस्तान में 4.1 तीव्रता का भूकंप

काबुल। अफगानिस्तान में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.1 मापी गई। भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 5 बजकर 36 मिनट 22 सेकंड पर आया। इसका केंद्र 36.114 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 70.820 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 130 किलोमीटर की गहराई में था। केंद्र ने कहा कि भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की जानकारी भी सामने नहीं आई है।

दिल्ली में 5वीं मंजिल वाले भवनों को फौरन सील करने के निर्देश

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार सुबह सत्य निकेतन घटनास्थल का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था एवं चल रही कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भवन मौलिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में पांचवीं मंजिल वाले भवनों को तत्काल सील करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा हादसे के जिम्मेदार पाए जाने वाले एमसीडी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने आसपास के पीजी एवं भवनों की भी सघन जांच, नियमों का उल्लंघन मिलने पर सौलिंग करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्लीवासियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा, लापरवाही पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

सड़क हादसे में एक परिवार के चार लोगों की मौत

कोलार। कर्नाटक के कोलार जिले के केजीएफ तालुक में दोड़ुकारी के पास सोमवार तड़के हुए सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। हादसा बैंगलुरु-चेन्नई कॉरिडोर एक्सप्रेसवे पर हुआ। पुलिस के अनुसार, बैंगलुरु से चेन्नई जा रही टोयोटा कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में मैसूर निवासी देवेन कुमार (40), शारदम्मा (70), जिण्णू (15) और दीक्षिता (25) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वाहन में सवार चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों को तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है।

फर्जी पासपोर्ट केस में आचार्य बालकृष्ण बरी हरिद्वार।

पतंजलि योगपीठ के महामंत्री और योगगुरु बाबा रामदेव के करीबी सहयोगी आचार्य बालकृष्ण को फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पासपोर्ट बनवाने के करीब 15 साल पुराने मामले में देहरादून की सीबीआई अदालत ने बरी कर दिया है। आचार्य बालकृष्ण पर आरोप था कि उन्होंने पासपोर्ट बनवाने के लिए बरेली स्थित पासपोर्ट कार्यालय में खुर्चा के एक संस्कृत महाविद्यालय से संबंधित कथित फर्जी शिक्षक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए थे। इसी आधार पर उनके खिलाफ आपराधिक धाराओं के साथ पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे में कड़ा एक्शन : दक्षिण जोन के उपायुक्त नपे

उपायुक्त समेत पांच अफसर सस्पेंड



हादसे में और भी अफसरों की लापरवाही सामने आई तो उनके खिलाफ भी एक्शन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार एमसीडी के साथ मिलकर ऐसी नीति लाने की दिशा में काम कर रही है, जिसके तहत सार्वजनिक गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होने वाली प्रत्येक भवन चाहे वह पीजी, नर्सिंग होम, स्कूल या कोई अन्य संस्थान हो का समय-समय पर संचरचनात्मक ऑडिट और भवन सुरक्षा प्रमाणन अनिवार्य किया जाएगा। बिना भवन की सुरक्षा सुनिश्चित किए किसी भी इमारत में सार्वजनिक गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने राजधानी के सांसदों, विधायकों, पापंदों से आग्रह किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में बनाए जा रहे अवैध निर्माणों की जानकारी प्राप्त करें और इसकी शिकायत संबंधी विभाग को भेजें। उन्होंने कहा कि ऐसे अवैध निर्माणों को तोड़ा जाएगा। निर्माणधीन अवैध निर्माणों को लेकर सिस्टम बनाया

जाएगा ताकि उन पर निगरानी भी रखी जा सके। इस प्रकार की शिकायतों की निगरानी मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से भी की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए हैं कि केवल घटनास्थल तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि आसपास के सभी संवेदनशील भवनों और पीजी की भी गहन जांच की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पुरानी इमारत के बेसमेंट में पानी भरने के कारण उसके पितर कमजोर होकर गिर गए, जिसके चलते पूरी इमारत ढह गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस गंभीर घटना के लिए जो भी जिम्मेदार पाया जाएगा, उसकी जवाबदेही तय की जाएगी और उसके खिलाफ कानून के कठोरतर प्रावधानों के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल और व्यापक कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रभावित

मुजफ्फरपुर से आनंद विहार के लिए चलेगी सुपरफास्ट विशेष ट्रेन

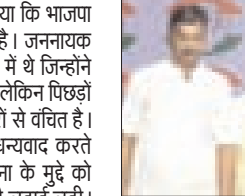
नई दिल्ली। यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त थीड को देखते हुए उत्तर रेलवे ने मुजफ्फरपुर जंक्शन और आनंद विहार टर्मिनल के बीच सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या 05219/05220 का संचालन 11 सितंबर से 28 नवंबर तक निर्धारित तिथियों पर किया जाएगा। ट्रेन में वातानुकूलित, शयनखान और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच उपलब्ध होंगे। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने सोमवार को बताया कि गाड़ी संख्या 05219 मुजफ्फरपुर-आनंद विहार टर्मिनल सुपरफास्ट विशेष एक्सप्रेस मुजफ्फरपुर जंक्शन से प्रत्येक शुक्रवार को 11 सितंबर से 27 नवंबर तक चलेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 05220 आनंद विहार टर्मिनल-मुजफ्फरपुर विशेष एक्सप्रेस

प्रत्येक शनिवार को 12 सितंबर से 28 नवंबर तक संचालित होगी। दोनों दिशाओं में कुल 12-12 फेरे लगाए जाएंगे। गाड़ी संख्या 05219 मुजफ्फरपुर जंक्शन से दोपहर 1:30 बजे रवाना होकर हाजीपुर जंक्शन, सोनपुर, पाटलिपुत्र, दानापुर, आरा, बक्सर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, प्रयागराज जंक्शन, गांवितपुरी और टूंडला जंक्शन होते हुए अगले दिन सुबह 10 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05220 आनंद विहार टर्मिनल से दोपहर 12 बजे रवाना होगी और टूंडला, गांवितपुरी, प्रयागराज जंक्शन, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, सोनपुर और हाजीपुर जंक्शन होते हुए अगले दिन सुबह 9:45 बजे मुजफ्फरपुर जंक्शन पहुंचेगी।

भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हुए हीरा टाकुर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के पूर्व सदस्य, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं कपूरী टाकुर विचार मंच के अध्यक्ष हीरा टाकुर सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने जातिगत जगणना के मुद्दे पर पिछड़े वर्गों के साथ अन्याय का आरोप लगाते हुए भाजपा छोड़ने का फैसला किया। कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, एआईसीसी औबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद, सीतापुर से कांग्रेस सांसद राकेश राठौर समेत कई नेता मौजूद रहे। इस दौरान हीरा टाकुर को पार्टी की सदस्यता

दिलाई गई। हीरा टाकुर ने आरोप लगाया कि भाजपा का एक भी नेता सच नहीं बोल रहा है। जननायक कपूरী टाकुर देश के पहले ऐसे नेताओं में थे जिन्होंने बिहार में पिछड़े वर्गों को आरक्षण दिया, लेकिन पिछड़ों की बड़ी आबादी अब भी अपने अधिकारों से वंचित है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्होंने जातिगत जगणना के मुद्दे को मजबूती से उठाया और इसके लिए बड़ी लड़ाई लड़ी। टाकुर ने आरोप लगाया कि जब जगणना का एजेंडा समाप्त आया तो उसमें पिछड़ी जातियों के साथ धोखा किया गया। राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि भाजपा



सरकार केवल चुनिंदा पूंजीपतियों के लिए काम कर रही है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को बेचा गया, युवाओं से रोजगार के अवसर छीने गए और शिक्षा



रोकथाम, स्वस्थ जीवनशैली, पोषण, वेलनेस और समग्र स्वास्थ्य की ओर बढ़ रही है और इन क्षेत्रों में भारत के पास आयुर्वेद के रूप में समृद्ध ज्ञान और अनुभव है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद दिवस केवल भारत की परंपरा का उत्सव नहीं, बल्कि भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन के अनुरूप स्वास्थ्य व्यवस्था केवल बीमारी के इलाज तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि स्वस्थ दिनचर्या, संतुलित आहार, मानसिक संतुलन और प्रकृति के साथ सामंजस्य को भी बढ़ावा देना चाहिए। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष का अभियान तीन प्रमुख विषयों पर केंद्रित रहेगा- 1. बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए समेकित स्वास्थ्य सेवा, 2. आयुर्वेद में शोध, साक्ष्य और नवाचार, सामुदायिक कल्याण, 3. सतत जीवनशैली के लिए आयुर्वेद। उन्होंने मीडिया से अपील करते हुए कहा कि आयुर्वेद से जुड़ी सही, वैज्ञानिक और प्रमाण आधारित जानकारी आम लोगों तक पहुंचाना बेहद आवश्यक है।



को महंगा कर दिया गया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इन मुद्दों को लेकर सड़क से संसद तक लगातार संघर्ष कर रहे हैं। सीतापुर के सांसद राकेश राठौर ने कहा कि कांग्रेस सामाजिक न्याय, संविधान और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ रही है। हीरा टाकुर जैसे नेता के कांग्रेस में आने से पिछड़े और अतिपिछड़े समाज की आवाज को और मजबूती मिलेगी। एआईसीसी औबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने कहा कि हीरा टाकुर वर्षों से अतिपिछड़े समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे हैं।

नेपाल. मृतकों की संख्या 1,355 पहुंची, 5,000 अब भी लापता

काठमांडू। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या 1,355 पहुंच चुकी है। अभी भी जारी खोज, बचाव और राहत अभियान के बीच करीब 5,000 लोग अब भी लापता या लापता बनाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार बरामद अवशेषों में मानव शरीर के विभिन्न अंग भी शामिल हैं। अब तक 98 शवों की पहचान कर उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया है। प्राधिकरण की प्रवक्ता शांति महत ने बताया कि रसुवा से 169, नुवाकोट से 197, धौदिङ से 70, गोरखा से 75, तनहुं से 38, चितवन से 363, नवलपरासी पूर्व से 222 और नवलपरासी पश्चिम से 221 शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि बाढ़ के बाद करीब 4,996 लोगों के लापता होने या उनका पता नहीं चल पाने की सूचना है। नवीनतम रिकॉर्ड के अनुसार एक प्रभावित क्षेत्र में करीब 1,967 लापता लोगों और नुवाकोट में करीब 2,340 लोगों का विवरण

एक नजर

कच्चे तेल की कीमत में तेजी जारी, 97 डॉलर के पार पहुंची ब्रेंट क्रूड की कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ रहे तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में भी लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। इस तेजी के कारण ब्रेंट क्रूड आज 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सस इंटरमीडियट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी आज 92 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के ऊपर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। आज ब्रेंट क्रूड ने तेजी दिखाते हुए 96.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। हालांकि ट्रेडिंग शुरू होते ही ये फिसल कर 96.34 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन थोड़ी देर बाद इसकी चाल में तेजी गई। भारतीय समय के मुताबिक सुबह 9:30 बजे तक ब्रेंट क्रूड 97 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर 97.43 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। सुबह 9:45 बजे तक का कारोबार होने के बाद ब्रेंट क्रूड 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 97.38 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड ने आज 0.71 डॉलर प्रति बैरल उछल कर 92.19 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। ओपनिंग के तुरंत बाद ये गिर कर थोड़ी देर के लिए 91.70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आया, लेकिन इसके बाद इसकी चाल में तेजी आ गई। कुछ देर में ही यह उछल कर 92.57 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि बाद में इसके भाव में मामूली गिरावट भी दर्ज की गई। भारतीय समय के अनुसार सुबह 9:45 बजे डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.11 प्रतिशत की उछाल के साथ 92.50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

बिजली क्षेत्र को कोयला आपूर्ति में सुधार, रैक लोडिंग बढ़कर हुई 444 रैक प्रतिदिन



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि बिजली क्षेत्र को कोयले की आपूर्ति में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है। पिछले चार दिनों में कोयला लोडिंग में 74 रैक प्रतिदिन की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो बढ़कर अब 444 रैक प्रतिदिन हो गई है। यह देश में बिजली उत्पादन की जरूरतों को पूरा करने के लिए किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है। कोयला मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि अब तक बिजली क्षेत्र के लिए 370 रैक प्रतिदिन भेजे जा रहे थे, जो 3 सितंबर के बढ़कर 444 रैक प्रतिदिन हो गई हैं। इस प्रकार चार दिनों में कुल 74 रैक प्रतिदिन की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो करीब 20 फीसदी की वृद्धि है। अकेले छह सितंबर को ही 31 रैक की सुधार इसमें शामिल है। मंत्रालय ने कहा कि यह विद्युत क्षेत्र को कोयले की सप्लाई को बढ़ाने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), उसकी सहायक कंपनियों, एससीसीएल और कैप्टिव माइन ऑपरेटर्स द्वारा निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि आवश्यक ताप विद्युत संयंत्रों (जिनमें कोयले का भंडार मानक आवश्यकता के 25 फीसदी से कम है) को संख्या पर सुख निगरानी रखी जा रही है। इन संयंत्रों की स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए कोयले की आपूर्ति संबंधी सुधारात्मक उपाय पहले से ही लागू किए जा चुके हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में गैस सिलेंडर बुकिंग की अवधि 45 से घटकर हुई 25 दिन: पेट्रोलियम राज्यमंत्री

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम। केंद्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की दवावा बुकिंग का समय अंतराल को अब 45 दिन से घटाकर 25 दिन कर दिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री सुरेश गोपी ने यह जानकारी दी है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्यमंत्री ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच फेसबुक पर जारी एक पोस्ट में कहा कि सरकार ने तेल एवं गैस विपणन कंपनियों को ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग का अंतराल तत्काल प्रभाव से 25 दिन करने को कहा है। सुरेश गोपी ने बताया कि पश्चिम एशिया में संकट की वजह से एलपीजी आपूर्ति पर बने दबाव के बीच घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की रिफिल बुकिंग का अंतराल शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अब देश के शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों के घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए सिलेंडर बुकिंग का नियम एक समान 25 दिन हो गया है।

वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध के दायरे में लाने की मांग, सुप्रीम कोर्ट नौ को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध के दायरे में लाने की मांग वाली याचिकाओं पर 9 सितंबर को ही सुनवाई करेगा। सोमवार को वरिष्ठ वकील ईंदिरा जयवंशि ने इस मामले को मेशन करते हुए मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार का जवाबी हलफनामा नहीं आया है, इसलिए सुनवाई 9 सितंबर की जगह नवंबर में कर दी जाए। तब कोर्ट ने कहा कि वो 9 सितंबर को ही इस पर फैसला करे। इस मामले में केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय में हलफनामा दायर कर वैवाहिक दुष्कर्म को अपराध के दायरे में लाने की मांग वाली याचिकाओं का विरोध किया है। मौजूदा कानून के मुताबिक पत्नी की इच्छ के बगैर जबरन संबंध बनाने पर भी पत्नी अपने पति पर दुष्कर्म का मुकदमा नहीं कर सकती। सरकार ने कानून में पति को मिली इस छूट का समर्थन किया है। केंद्र सरकार ने जोर देकर कहा है कि इसका मतलब ये नहीं वैवाहिक संबंधों में पत्नी की इच्छा का कोई महत्व नहीं है। सरकार का कहना है कि अगर पत्नी की इच्छ के बिना पति जबरन संबंध बनाता है, तो ऐसी सूरत में पति को सजा देने लिए पहले से वैकल्पिक कानूनी प्रावधान है। ऐसी स्थिति में घरेलू हिंसा कानून, महिलाओं की गरिमा भंग करने से जुड़े विभिन्न प्रावधान के तहत पति पर केस दंड किया जा सकता है, लेकिन इस स्थिति की तुलना उस स्थिति से नहीं की जा सकती है, जहां बिना वैवाहिक संबंधों के कोई पुरुष जबरन किसी महिला के साथ संबंध बनाता है। वैवाहिक संबंधों और बिना वैवाहिक के बने ऐसे संबंधों में सजा एक नहीं हो सकती। उच्चतम न्यायालय ने 16 सितंबर, 2022 को केंद्र सरकार की गौटिस जारी किया था। उच्चतम न्यायालय को ये तय करना है कि पति का पत्नी के साथ जबरन संबंध बनाना दुष्कर्म है कि नहीं। इसके पहले 11 मई, 2022 को दिल्ली उच्च न्यायालय ने वैवाहिक दुष्कर्म के मामले पर विभाजित फैसला दिया था। जस्टिस राजीव शक्थर ने जहां भारतीय दंड संहिता की धारा 375 के अपवाद को असंवैधानिक करार दिया था, वहीं जस्टिस सी हरिशंकर ने इसे सही करार दिया है। अब उच्चतम न्यायालय इस मामले पर सुनवाई कर रहा है।

तृणमूल की याचिका पर कलकत्ता हाई कोर्ट तेजी से करे फैसला, सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कलकत्ता उच्च न्यायालय से कहा है कि वो तृणमूल कांग्रेस की उस याचिका पर तेजी से फैसला करे, जिसमें पार्टी के कालकत्ता कार्यालय से बिना नोटिस हॉर्डिंग्स हटाए जाने को चुनौती दी गई है। आरोप है कि कोलकाता नगर निगम ने बिना किसी नोटिस के हॉर्डिंग हटा दिया। तृणमूल कांग्रेस ने याचिका दायर कर कहा था कि कोलकाता के कैमक स्ट्रीट पर पार्टी दफ्तर के ऊपर से एक बिलबोर्ड को कथित रूप से अवैध तरीके से हटाय जाते हैं के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया था।